शब्द एवं चित्र : विलियम डे विंक

यीशु मसीह

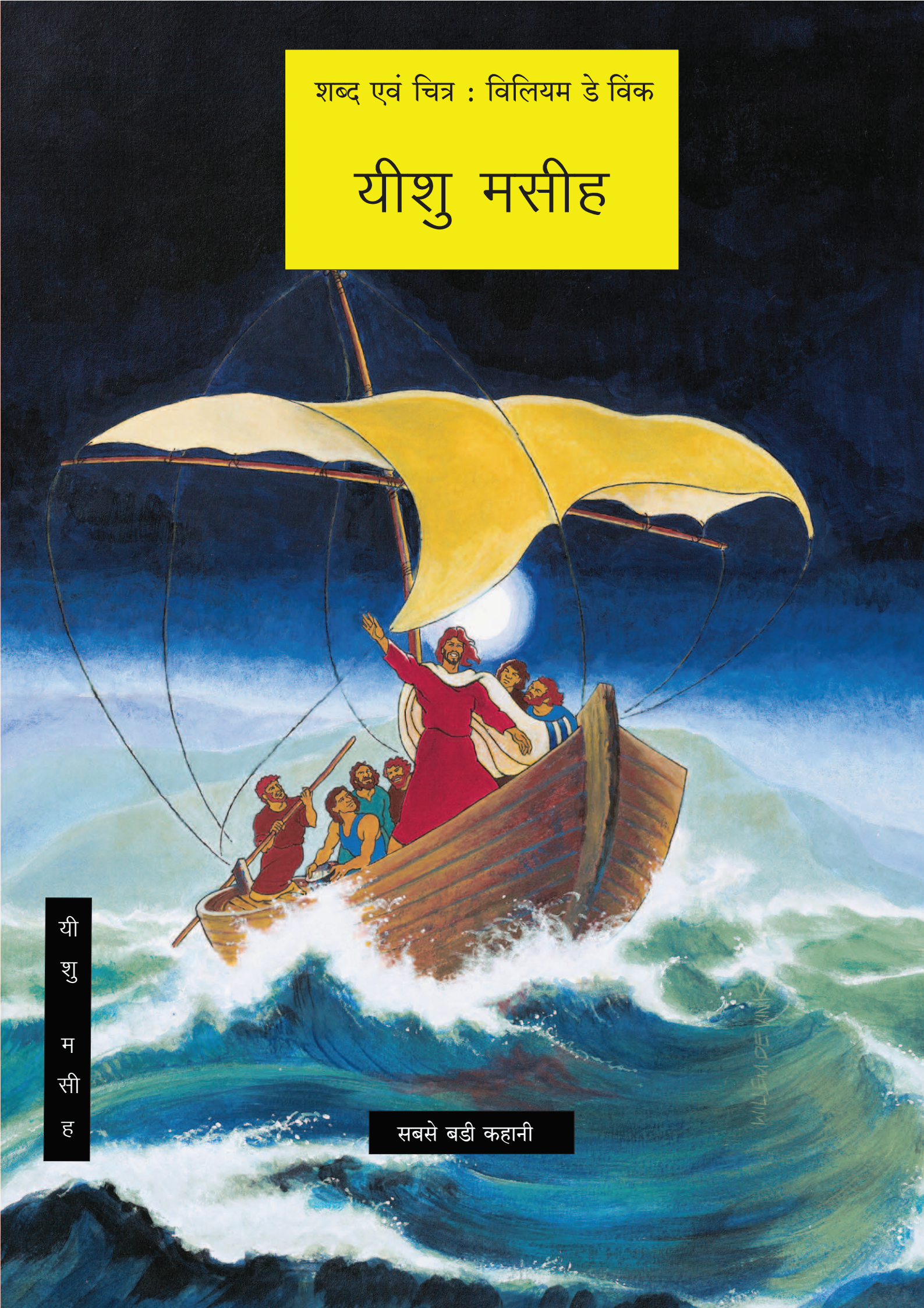

यीशु मसीह

सबसे बडी कहानी

क्या है.....

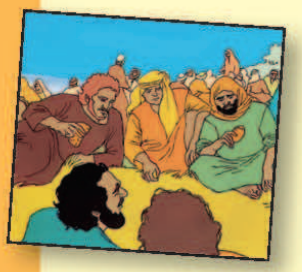

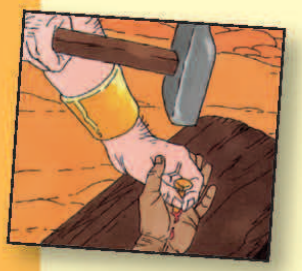

स्वर्गदूत : परमेश्वर का एक अदृश्य संदेशवाहक। (पन्ना ५)

आशीष : सभी अच्छी बाते जो परमेश्वर हमें देना चाहता है।

बाइबल : बाइबल में आप पढ सकते हैं की कैसे परमेश्वर अपने लोगों के तरफ ध्यान देता है और उनसे कैसा बरताव करता है।

प्रभुभोज : यीशु के शिष्य यीशु के मृत्यु और पुनरुत्थान का स्मरण रोटी एवं दाखरस लेकर करते है। (पन्ना ४१)

क्रूस : पीडा देने का एक साधन

जिसपर यीशु खुद की ईच्छा से मारा गया, यीशु के शिष्यों का वह एक चिन्ह बन गया। (पन्ना २५,५०)

शिष्य : यीशु के चेले। (पन्ना १८)

ईस्टर : यीशु के पुनरुत्थान का पर्व मनाना। यहूदी इसी दिन फसह का पर्व मनाते है। (पन्ना ३८,५४)

अनन्त जीवन : यीशु के साथ जीवन जीना यह परमेश्वर का उद्देश है, वह मृत्यूपर विजय प्राप्त करके अनन्त जीवन है। (पन्ना २३,२९-३० एवं ५९)

विश्वास :परमेश्वर पर भरोसा रखना और उसके प्रतिज्ञाओं पर भरोसा रखना। (पन्ना ५८)

क्षमाशिलता : परमेश्वर क्षमा करता है,जब कि हम में काई भी उसके लिये पात्र नहीं परमेश्वर क्षमा करता है जब आप उसे पापों कि क्षमा मांगते है और खुद में परिवर्तन करते है। क्षमाशिलता संभव है क्योंकि यीशु के बलीदान से हम उसलिये योग्य किये गये है। (पन्ना ५८)

परमेश्वर का राज्य : जहा लोग परमेश्वर कि आज्ञा का पालन करते है वहा परमेश्वर का राज्य है।

पवित्र आत्मा : परमेश्वर का आत्मा जो लोगों में रहता है जो यीशु के अनुयायी है। (पन्ना ५८)

यीशु : परमेश्वर के पुत्र का नाम अर्थात परमेश्वर हमारे साथ।

मसीहा : अभिषिक्त राजा ''मसीहा'' (एक हिब्रू शब्द) जो कि ग्रीक भाषांतर में है अर्थात मसीहा। (पन्ना ५२,५५)

प्रार्थना : आप का परमेश्वर के साथ धीरज से और बडी आवाज में बात करना। (पन्ना १८,१९,४२)

पुनरुत्थान : यीशु मृत्यू में से फिरसे जी उठा। एक दिन सबको मृत्यू में से जिलाया जायेगा, तब परमेश्वर हर एक मनुष्य का न्याय करेगा। (पन्ना ५३,५७)

फिर से आना : जब यीशु पृथ्वी पर फिर से आयेगा, स्वर्ग और पृथ्वी नये हो जायेंगे। परमेश्वर के द्वारा सबकुछ नया हो जायेगा। (पन्ना ५७)

शैतान : जो अदृश्य स्वरुप में है वह परमेश्वर और मनुष्य का शत्रू है।

पाप : वह बाते जो हम परमेश्वर की ईच्छा के विरुद्ध करते है और परमेश्वर का उद्देश जो हमारे लिये है उससे हमें दूर रखता है। (पन्ना ४)

परमेश्वर का पुत्र : यीशु का नाम, जो परमेश्वर का पुत्र कहलाते हुए वह मनुष्य रुप में जगत में आया।

यीशु मसीहा कौन है?

यीशु २,००० हजार वर्षपूर्व इस्राएल में रहा। हम उसे ''यीशु मसीह'' या ''ईसा मसीह'' कहते है अर्थात वह एक राजा, परमेश्वर का एक पुत्र कहलाता है। अर्थात परमेश्वर और ''मनुष्य का पुत्र'' मनुष्य से आया है। बाइबल में यीशु के जीवन का इतिहास बताया है। यह एक महान कहानी है।

यीशु के समय

हमारा इतिहास यीशु के जन्म से शुरु होता है। तब लोग सफर पैदल, गधे पर ऊट पर या घोडो पर करते थे। तब रोमी साम्राज्य यह यूरोप, मध्य पूर्व और उत्तर अफ्रिका में था। बहुत सारे लोग लिखना या पढना नहीं जानते थे। इस्राएल में के यहूदियों को ''किताब में के लोग'' कहा गया। परमेश्वर किताब में से बात करता है वह है बाइबल। वह सब दिखानेवाली बातो का निर्माता है और उसे हम लोगो से दोस्ती करनी है। यह यीशु ने हमें साफ दिखलाया है।

यीशु के समय में इस्राएल

राजधानी : यरुशलेम

बडे प्रांत : गलील, सामरीया, यहूदीया

विस्तार : लगभग २८००० किमी. (१०८१० मील)

मौसम : उष्ण कटिबंध

राजनैतिक : ६३ बी.सी. शुरुवात से (मसीह से पहले) रोमी साम्राज्य की हुकुमत इस्राएल में है।

सरकार : मुख्य पिलातुस, रोमी राज्यपाल इस्राएल में राज्य, तिबेरियस, रोमी साम्राज्य।

धर्म : यहूदी धर्म, यरुशलेम में यहूदीयों का मंदिर है। वहा यहूदी पुजारी सभी धार्मिक कार्य करते है। और (जैसे फरीसी) बाइबल में से वह लोगों को सिखाते है।

भाषा : हिब्रू (यहूदीयों की भाषा) ग्रीक (अतंरराष्ट्रीय स्तर पर बोले जानेवाली भाषा) लेटिन (रोमन भाषा)

यह सब लोग नदी के कीनारे क्यों एकठ्ठा हुए है?

तुम खुद को तैयार करो, परमेश्वर का राज्य निकट है।

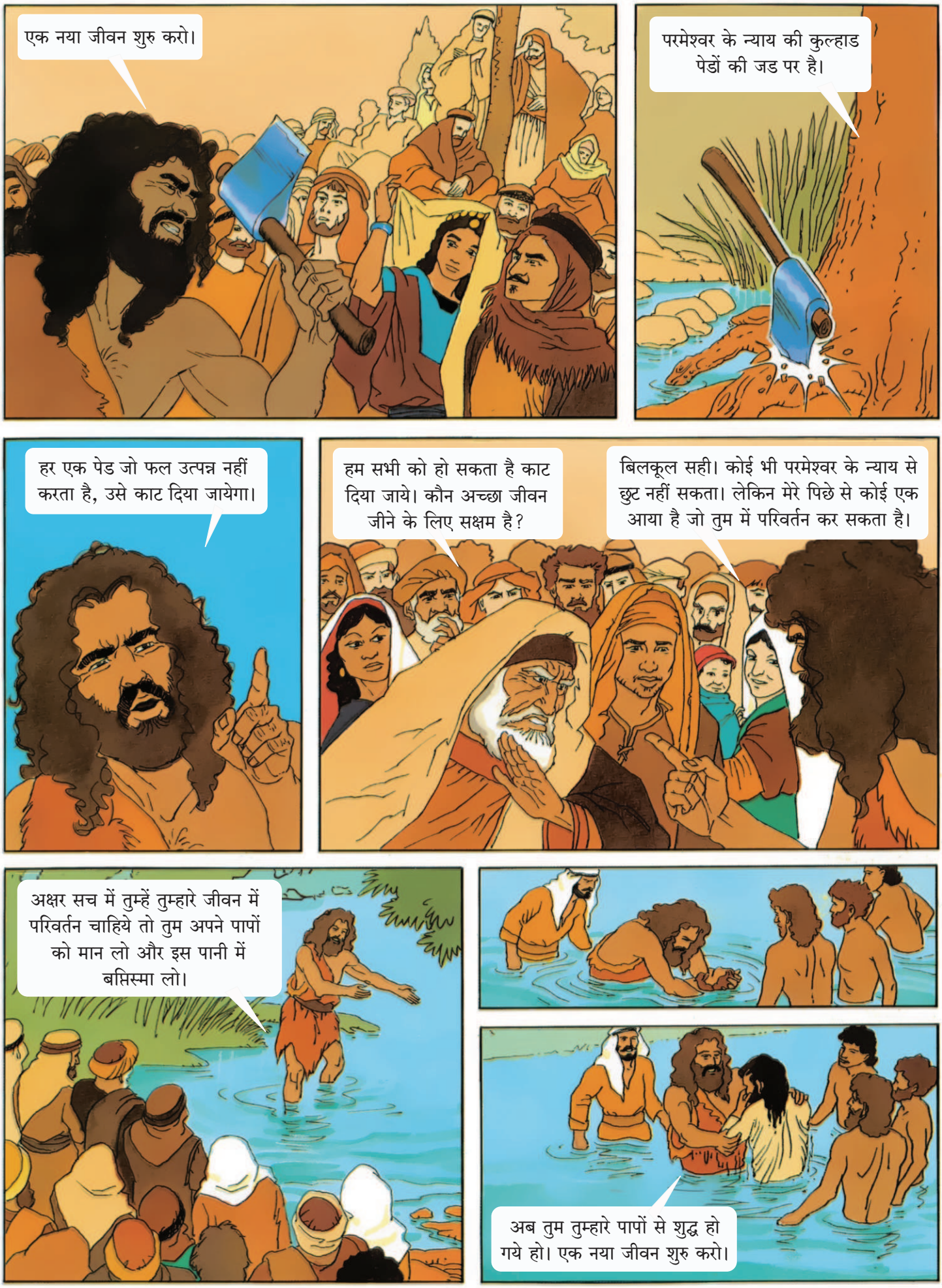
एक नया जीवन शुरु करो।
परमेश्वर के न्याय की कुल्हाड पेडों की जड पर है।
हर एक पेड जो फल उत्पन्न नहीं करता है, उसे काट दिया जायेगा।
हम सभी को हो सकता है काट दिया जाये। कौन अच्छा जीवन जीने के लिए सक्षम है?
बिलकूल सही। कोई भी परमेश्वर के न्याय से छुट नहीं सकता। लेकिन मेरे पिछे से कोई एक आया है जो तुम में परिवर्तन कर सकता है।
अक्षर सच में तुम्हें तुम्हारे जीवन में परिवर्तन चाहिये तो तुम अपने पापों को मान लो और इस पानी में बप्तिस्मा लो।
अब तुम तुम्हारे पापों से शुद्ध हो गये हो। एक नया जीवन शुरु करो।

सब लोग उसे नदी में बप्तिस्मा देनेवाला यूहन्ना कहते थे।

मैं योग्य नहीं हुँ। मैं उसके लिये मार्ग तैयार कर रहा हुँ। जो हमें बताएगा की परमेश्वर कौन है। वह तुम्हें परमेश्वर की आत्मा और आग से बप्तिस्मा देगा, वह तुम में परिवर्तन लायेगा।

और तब

मुझे तेरे हाथो से बप्तिस्मा लेने की आवश्यकता है।

हम वही करेंगे जो परमेश्वर की ईच्छा है वह अब कर।

परमेश्वर तेरा राज्य आये और तेरी ईच्छा पूरी होवे।

तब स्वर्ग से एक आवाज आयी।

हाँ, तू मेरा पुत्र है। मैं तुझसे प्रेम करता हुँ। और तुझपर मैं प्रसन्न हुँ।

हमारे उस कालखंड में सुरवात से यूहन्ना बप्तिस्मा देनेवाला इस्राएली लोगों का मसीहा आएगा कहके वह उन्हें तैयार करता था। उस समय इस्राएल यह रोमी साम्राज्य का एक छोटा भाग था।
इस्राएल
कफरनहूम
गलील
नासरत
काना
यरदन
यरुशलेम
यहूदीया
इस्राएल में के यहूदी अकेला लाचार और दबे हुए खिन्न महसुस करते थे। वे लोग तब मसीहा कब आयेगा इसकी राह देखते थे। वह हमें छुडायेगा ऐसा पहले ही पुराने यहूदी लोगो के किताब में भविष्यवाणी की गयी थी। यह मसीहा परमेश्वर के न्याय को विजय दिलाएगा।
यरदन नदी के पास, यूहन्ना बप्तिस्मा देनेवाला यीशु की तरफ देखता है।
देखो! यह परमेश्वर का मेम्ना जो जगत के पाप उठा ले जाता है।
उसका बप्तिस्मा होने के बाद परमेश्वर का आत्मा यीशु को जंगल में ले गया।
वह चालीस दिन और चालीस रात रहा। जब वह वहाँ था, तब उसने कुछ भी खाया और पीया नहीं। अपने पूर्ण उद्देश को देखने के लिए वह उपवास प्रार्थना करता है।
शैतान यह अदृश्य स्वरुप में अंधकार में राज्य करता है और संसार को नाश एवं मृत्यू की तरफ ले जाता है।
यीशु चाहता है की परमेश्वर का उद्देश संसार में सफल हो जाए। लोगों को मृत्यू की पकड में से छुडाना, यह परमेश्वर की योजना है।
हाँ पिता! जो तू कहेगा वो मैं करूंगा।

लेकीन शैतान, उसका शत्रू, यीशु को लालच दिखाकर उसे परमेश्वर के उद्देश से दूर रखने का प्रयास कर रहा था।
यदि तू परमेश्वर का पुत्र है तो इस पत्थर को रोटी बना दे
नहीं, ऐसा लिखा है की मनुष्य केवल रोटी से नहीं लेकीन परमेश्वर के वचन से जीवित रहेगा।

यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो सिद्ध कर। इस मंदिर से अपने आप को नीचे गिरा दे। क्योंकि क्या यह लिखा नहीं है की स्वर्गदूत तूझे हाथों हाथ उठा लेंगे?
यह भी लिखा है परमेश्वर की परिक्षा न लेना।

यदि तू मुझे प्रणाम करे और मेरी उपासना करे, तो पृथ्वी पर सभी अधिकार मैं तुझे दूंगा।
यहा से चले जा शैतान, लिखा है की सिर्फ एक ही परमेश्वर है और केवल उसी की उपासना एवं सेवा कर।

तब शैतान यीशु के पास से चला गया और स्वर्गदूत आकर उसकी सेवा करने लगे।

यीशु गलील में पवित्र आत्मा से भर गया। यीशु उत्तर इस्राएल देश के बडे और फैले हुए प्रांत में आगे बढता गया। बहुत सारे लोगों को शक था की यही वह यीशु है की नहीं जैसा भविष्यकर्ताओं द्वारा मसीह के बारे में लिखा है।

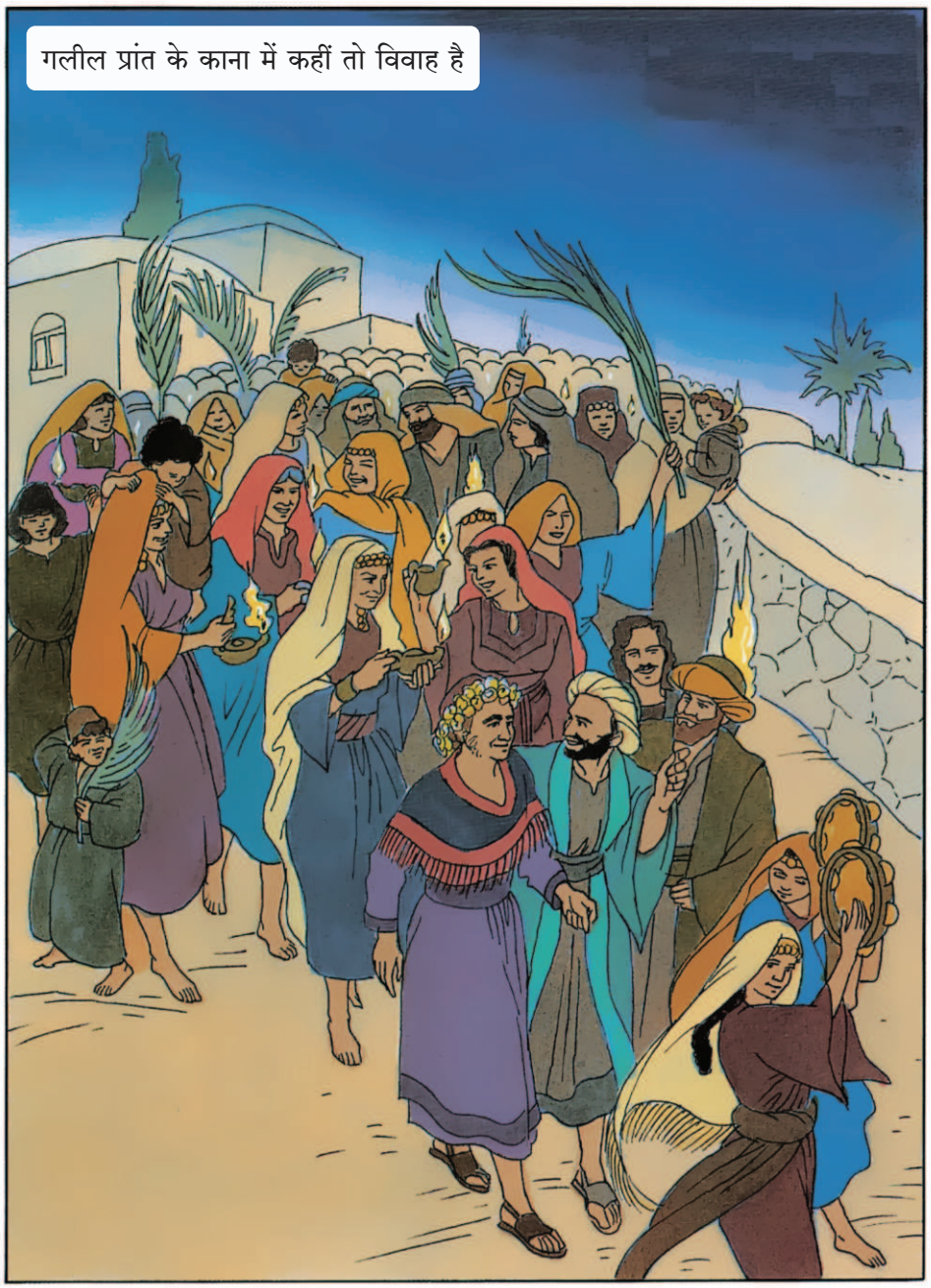
गलील प्रांत के काना में कहीं तो विवाह है

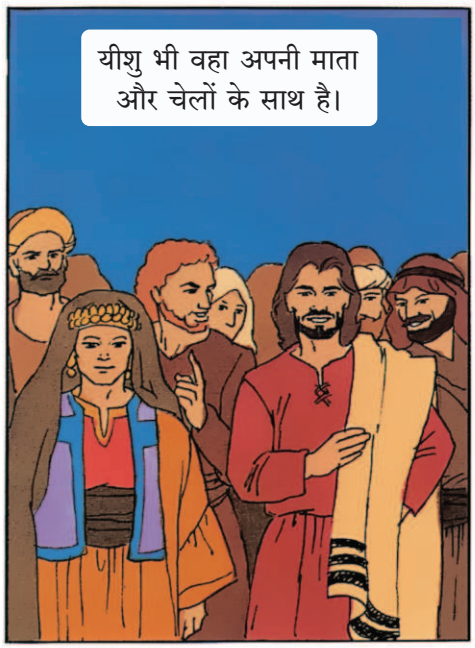
यीशु भी वहा अपनी माता
और चेलों के साथ है।

लेकीन समारंभ में एक समस्या है
यीशु जो कहता है वही तुम करो।
एक समस्या है यह दाखरस खत्म हो गया है
यह बडे मटको को पानी से भर दो और समारंभ के प्रधान को वह चख लेने दो।
?
पानी? लेकीन यह दाखरस है। वाह वाह क्या दाखरस है!
चख लो, तुम ने अच्छा दाखरस अंत तक रखा है।
इस तरह के विवाह में मैं कभी नहीं गया और न ही सुना की पानी उत्कृष्ट दाखरस में बदल जाता है।
नासरत के यीशु का यह काम है।
वह कौन है?

गलील झील के पास कफरनहूम यह फलाफुला मछुवारों का एक गाव था।
वहा यीशु ने परमेश्वर के राज्य के बारे में लोगों को उपदेश देना शुरु किया।

और वहा उसने अपने पहलि शिष्य चुन लिये।

पतरस, गहरे पानी में जाओ
और वहा अपनी जाल डालो।

स्वामी, हमने सारी रात मेहनत
की लेकीन कुछ न पकडा।

तोभी तू कहता है इसलिये।

ये क्या! मुझे विश्वास नहीं हो रहा।

याकूब, यूहन्ना इधर आओ। अब बहुत सारी पकड ली है।

प्रभु, मुझे जाने दे। मैं पापी मनुष्य हुँ।
पतरस डर मत।

चलो, मेरे पिछे आओ। मैं तुम्हें मनुष्य को पकडने वाले बनाऊंगा।

मेरे पिछे आओ।

यीशु शिष्यों के साथ संपूर्ण
गलील प्रांत में गया।
सब को परमेश्वर के
राज्य के बारे में बतलाया।
उसने सब प्रकार के रोगिओं
को चंगा किया, दुष्ट
आत्माओं को निकाला
और लोग आश्चर्यचकित होकर
यरुशलेम और अलग अलग प्रांत
से आये थे। वह उसका
हर एक शब्द सुनते थे।

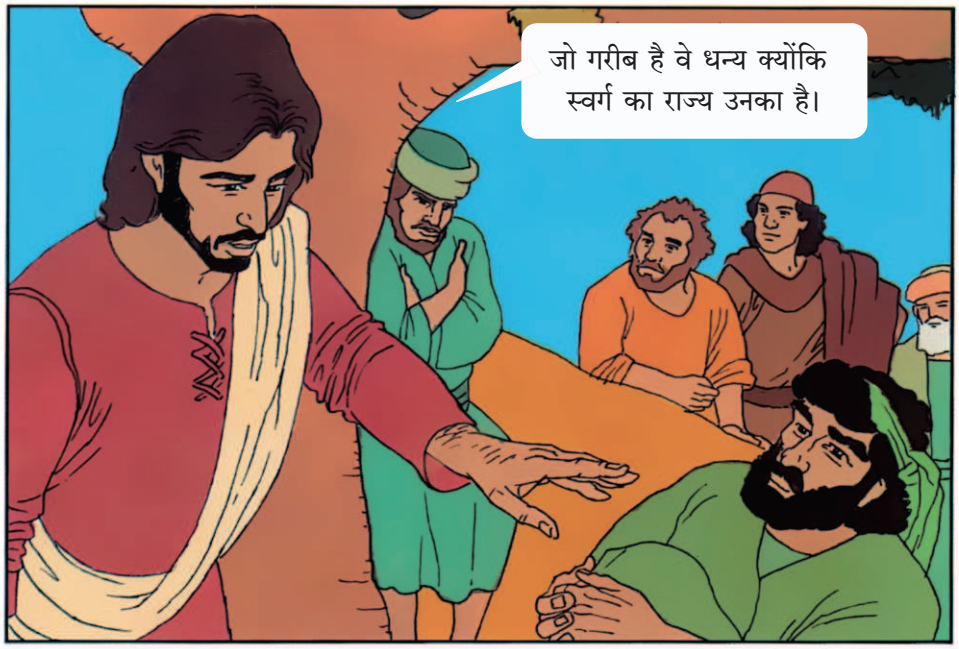

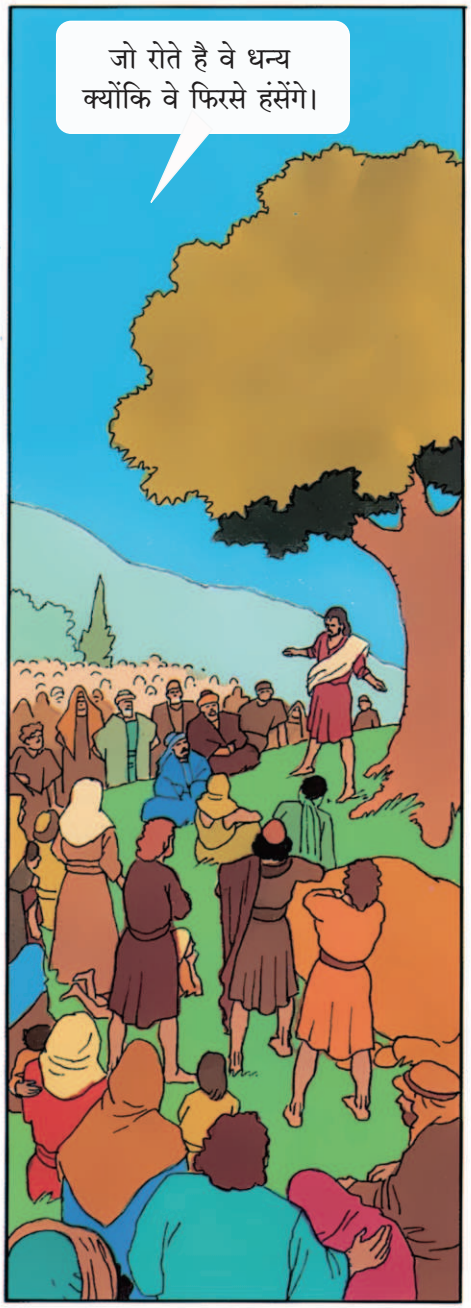

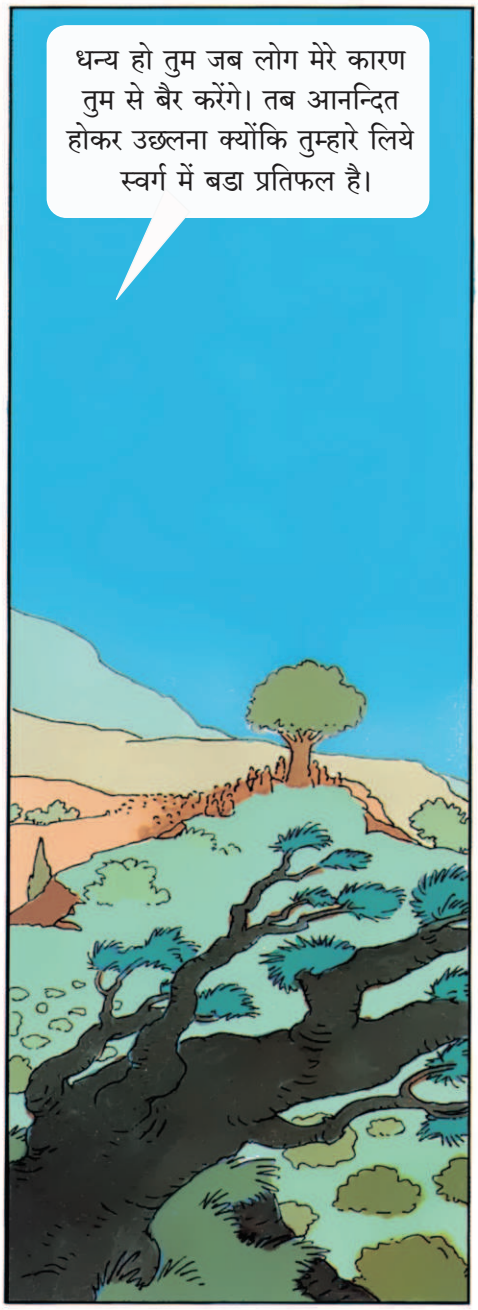

जैसा बरताव तुम्हें दुसरो से चाहीये वैसा ही बरताव तुम उनके साथ करो।
शत्रू पर प्रेम करो और उनके लिए प्रार्थना करो।
अच्छी बाते गुप्त में करो ताकि उसका दिखावा न हो।
जो कोई परस्त्री को बुरी नजर से देखता है उसने अपने मन में व्यभिचार कर लिया है।
आँख शरीर का दिया है, यदि तेरी आँख भली है तो तेरा संपूर्ण शरीर प्रकाशित होगा। लेकिन तेरी आँख दूषीत है तो तू अंधकार में होगा।
कोई भी दास दो स्वामियों की सेवा नहीं कर सकता जैसे की परमेश्वर और धन।
कल की चिंता मत करो, पहले परमेश्वर के राज्य की खोज करो और तुम्हें तब सब कुछ मिल जाएगा।
यदि तुम मेरे वचनों पर चलोगे, तो तुम उन जैसे हो जिन्होंने अपना घर चट्टान पर बनाया। अगर नहीं तो तुम उन जैसे हो जिन्होंने अपना घर रेत पर बनाया है।

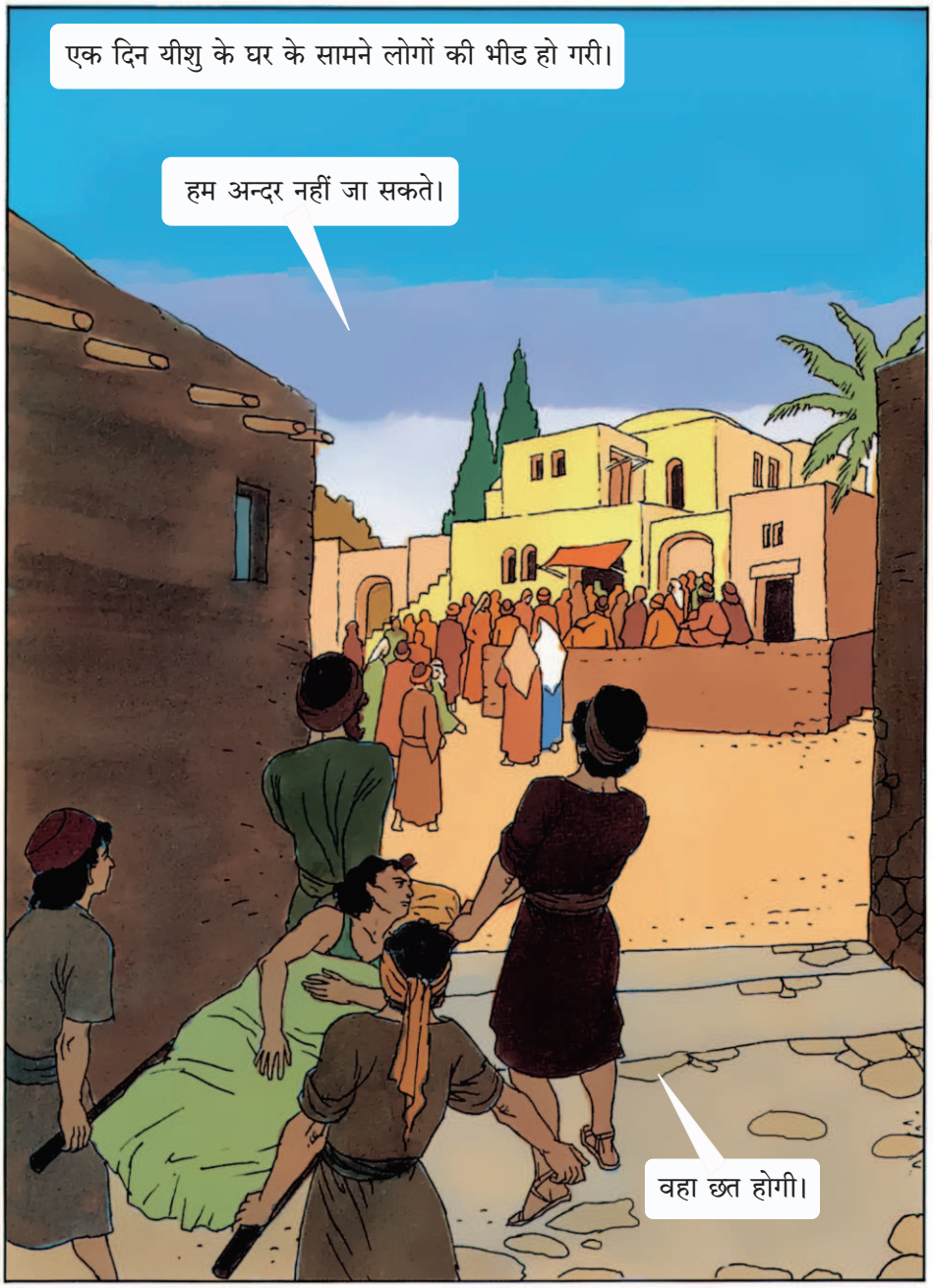
एक दिन यीशु के घर के सामने लोगों की भीड हो गरी।
हम अन्दर नहीं जा सकते।
वहा छत होगी।

वहा उरप क्या चल रहा है?
उन्हें आने दो। उन लोगों का विश्वाह बडा है।

तुम्हारे पापों की क्षमा हो गयी है।

तुम ने क्या वह सुना? ऊह ये सब कैसा कर सकता है?
वह मुर्ख है।
केवल परमेश्वर ही पापों से किसी को भी छुटकारा दे सकता है।

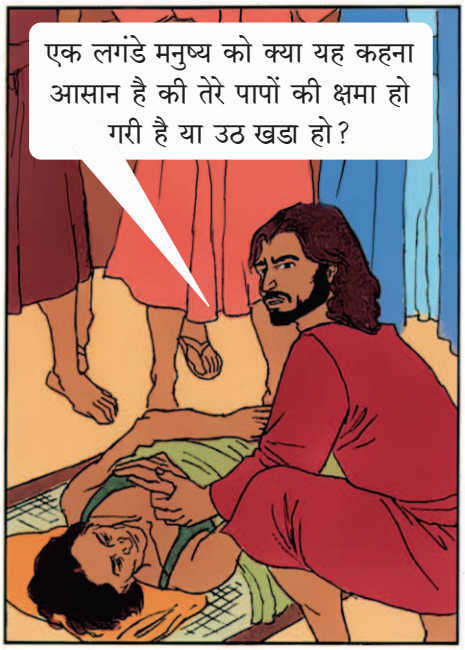
एक लगंडे मनुष्य को क्या यह कहना आसान है की तेरे पापों की क्षमा हो गरी है या उठ खडा हो?

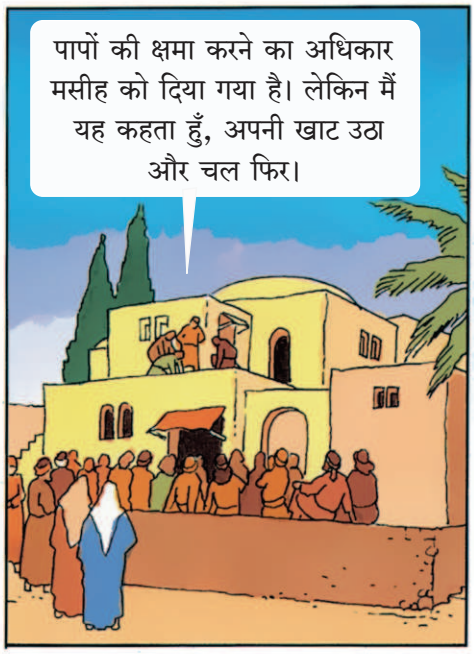
पापों की क्षमा करने का अधिकार मसीह को दिया गया है। लेकिन मैं यह कहता हुँ, अपनी खाट उठा और चल फिर।

असंभव।

हाँ, मैं चल सकता हुँ।

वह चल रहा है।

लेकिन वहाँ हर कोई यीशु के कार्यों से खुश नहीं था। धार्मिक प्रधान सब्त के पवित्र दिन यीशु क्या करता है इसपर ध्यान लगाये थे। उस दिन इस्राएल में कोई भी काम करने पर पाबंदी थी।

यह मनुष्य का हाथ सुख गया है। क्या उसे इस दिन पर अच्छा करना उचित है?

अपना हाथ आगे बढा।

हाँ, मैं चंगा हो गया।

हमने उसे चंगा करते हुए देखा।

यरुशलेम के प्रधान को अवश्य बताना की ये गलत मार्ग से राज्य को बहका रहा है।

यीशु और उसके शिष्य गलील झील में से जाते है।
हे प्रभु, हमें बचा। हम डुब रहे है।
तुम क्यों डर रहे हो?
तुम्हारा विश्वास कहां है?

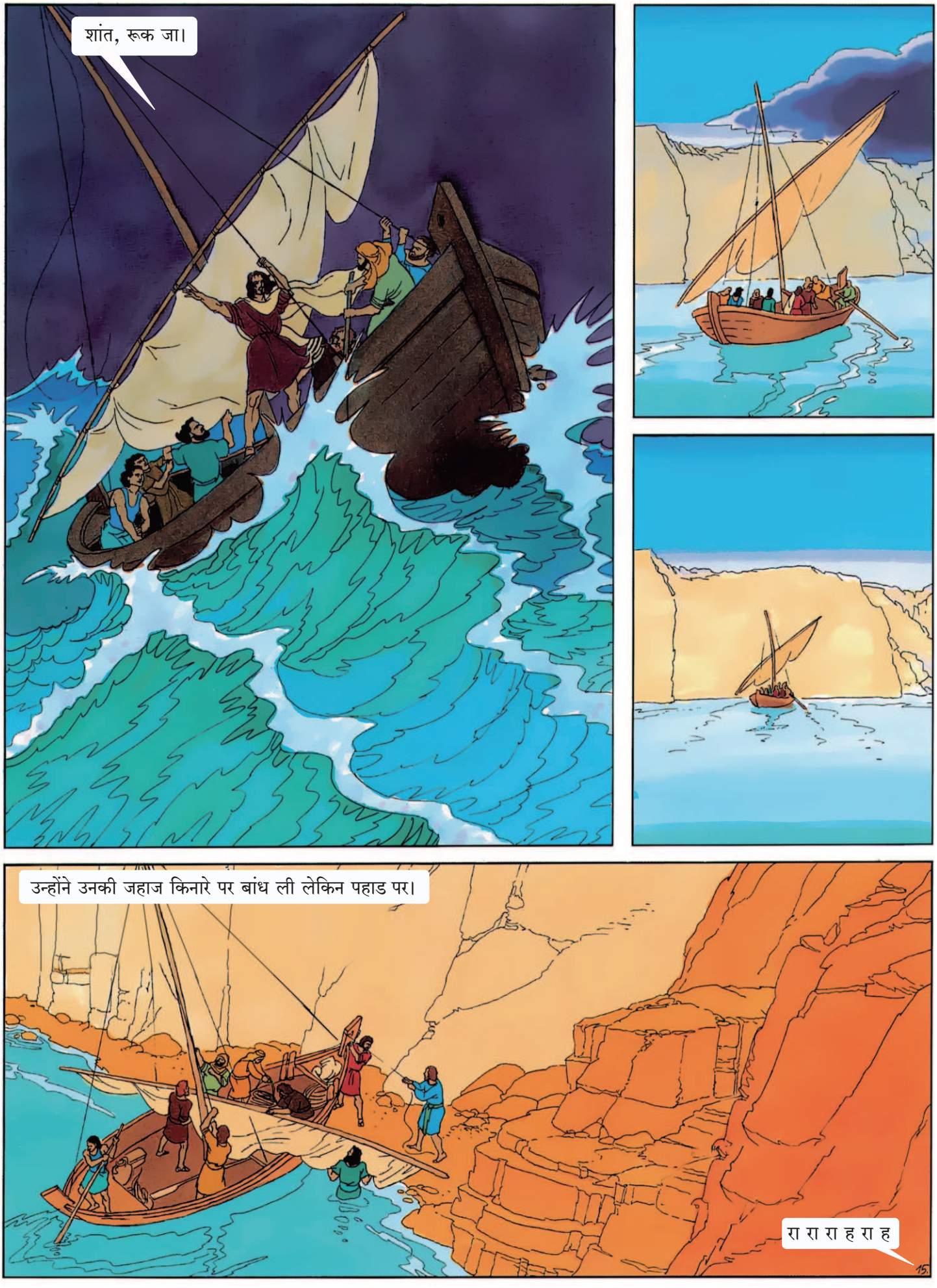
शांत, रूक जा।
उन्होंने उनकी जहाज किनारे पर बांध ली लेकिन पहाड पर।
रा रा रा ह रा ह

वह दुष्ट आत्मा से पिडीत एक मनुष्य था जो पहाड में रहता था।
वह आ रहा है।
वह कुरूप।
अच्छा, अच्छा, यीशु।
दुष्ट आत्माओं इसे छोड दो।
हे सर्वशक्तिमान परमेश्वर के पुत्र मुझे तुझ से क्या काम?
तुम्हारा नाम क्या है?
सेना, क्योंकि हम बहुत सारे हैं।
इन सूअरों में हमें भेज दे।
जाओ!

?
मैं पुरी तरह से चंगा हो गया।
जाओ! छोडो हमें।
क्या मैं तुम्हारे साथ आ सकता हुँ?
नहीं तुम जाओ और जो कुछ परमेश्वर ने तुम्हारे लिये किया वह सबको बताओ।

मैं तुम्हें कहता हुँ पुत्र खुद कुछ नहीं कर सकता।
वह सिर्फ वही करता है जो पिता उसे
कहता है मेरे पिता की इच्छा से।
वह एक ही है जिसने मुझे भेजा है।

यीशु हमेशा शान्त जगह पर प्रार्थना के लिए जाया करता था।

रात में प्रार्थना के बाद यीशु
ने उसके १३ शिष्यों को
अलग किया। उसने उन्हें
दो-दो कर बाहर भेज दिया।
और उन्हें दुष्ट आत्माओं पर और
सब प्रकार के रोगों पर अधिकार दिया।

वे दो भाई है।

यह याकूब और यूहन्ना।

फिलीप्पुस और बरतुल्मै।

थोमा एवं मत्ती (यह पहले रोमी अधिकारियों में कर जमा करते थे)।

तद्दै और दुसरा याकूब।

शिमोन और यहुदा इस्करियोती।

जाओ, जो कोई तुम्हें स्वीकार करेगा वह मुझे भी करेगा, और जो कोई मुझे स्वीकार करेगा, वह जिसने मुझे भेजा है उसे भी स्वीकार करेगा।

यह १२ शिष्यों उन्हें सोपे हुए कार्यों को करके जोश से लौट आये। फिर यीशु उनके साथ एक शान्त जगह पर जाने की कोशिष कर रहा था। लेकिन जमाव उसे छोडने के लिए तैयार नहीं था।

फसल बहुत है लेकिन मजदूर थोडे है। परमेश्वर से प्रार्थना करो की वह फसल काटने के लिए मजदूरों को भेजे।

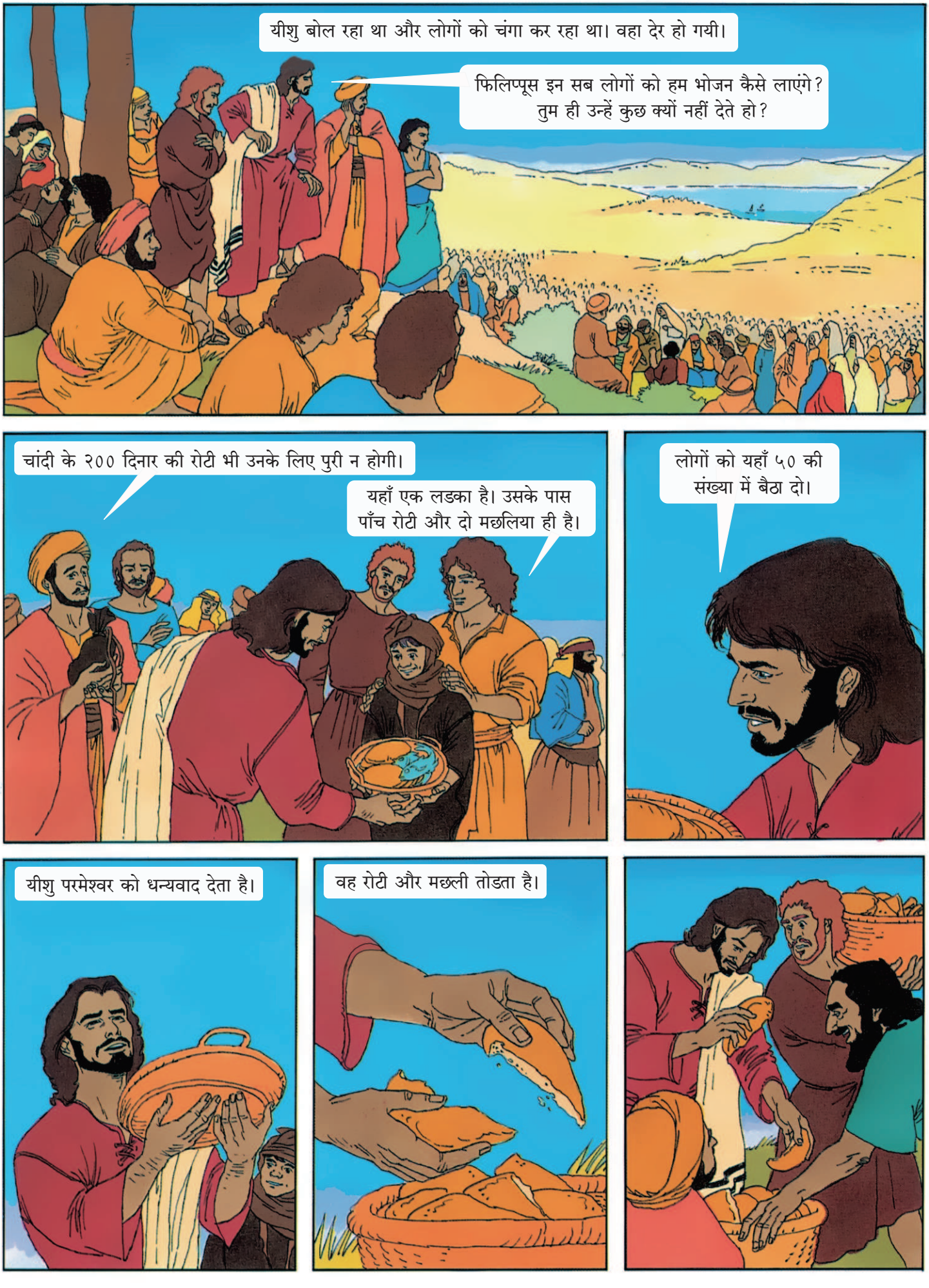
यीशु बोल रहा था और लोगों को चंगा कर रहा था। वहा देर हो गयी।
फिलिप्पूस इन सब लोगों को हम भोजन कैसे लाएंगे? तुम ही उन्हें कुछ क्यों नहीं देते हो?
चांदी के २०० दिनार की रोटी भी उनके लिए पुरी न होगी।
यहाँ एक लडका है। उसके पास पाँच रोटी और दो मछलिया ही है।
लोगों को यहाँ ५० की संख्या में बैठा दो।
यीशु परमेश्वर को धन्यवाद देता है।
वह रोटी और मछली तोडता है।

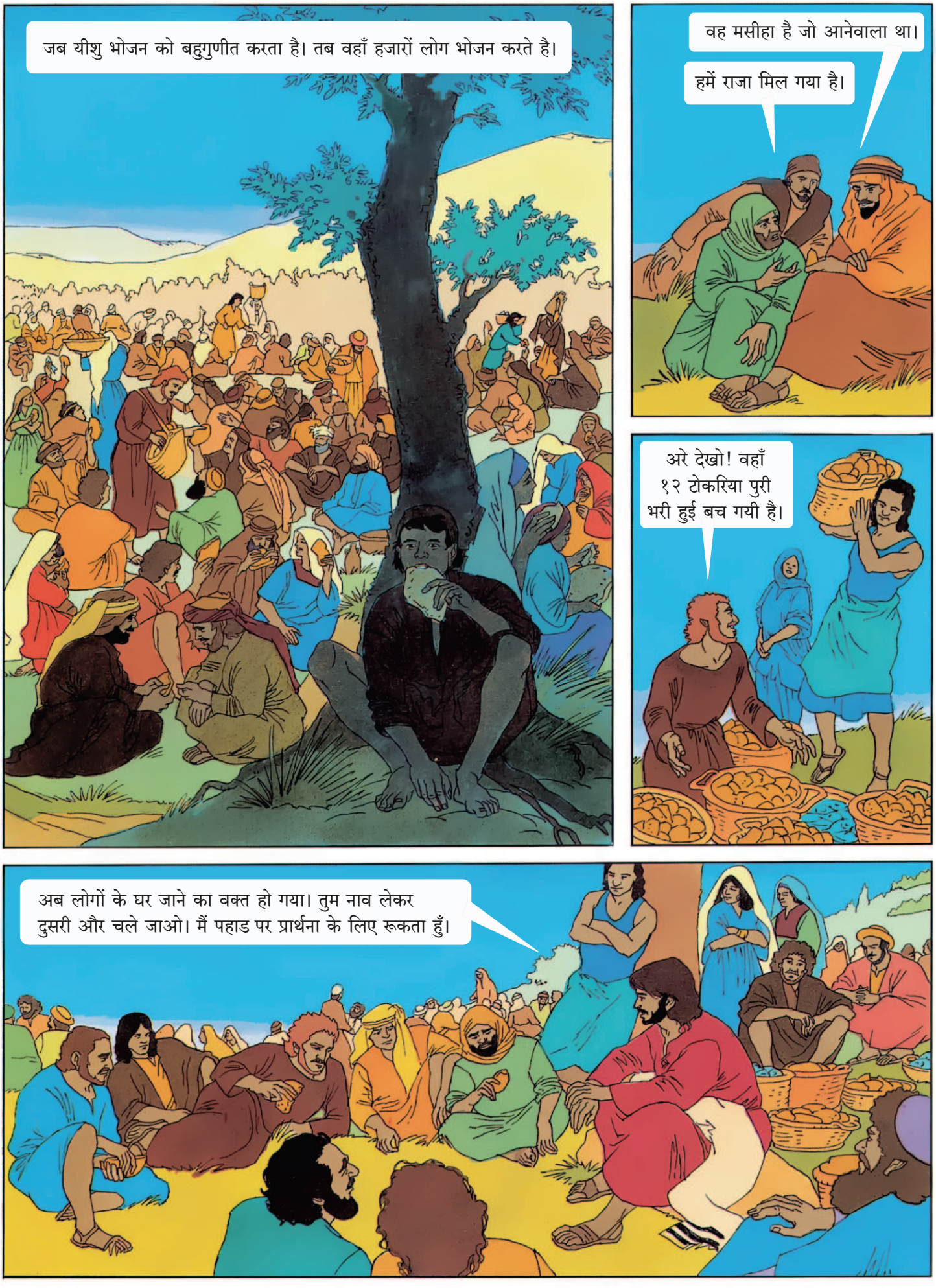
जब यीशु भोजन को बहुगुणीत करता है। तब वहाँ हजारों लोग भोजन करते है।
वह मसीहा है जो आनेवाला था।
हमें राजा मिल गया है।
अरे देखो! वहाँ १२ टोकरिया पुरी भरी हुई बच गयी है।
अब लोगों के घर जाने का वक्त हो गया। तुम नाव लेकर दुसरी और चले जाओ। मैं पहाड पर प्रार्थना के लिए रूकता हुँ।

बाद में
अरेरे वह भूत है।
डरो मत मैं हुँ।
प्रभु यदि तु है तो मुझे भी अपने पास पानी पर आने दे।
पतरस आओ।
प्रभु, मुझे बचा।
पतरस तुम ने संदेह क्यों किया?

वहाँ कही लोग यीशु को राजा कहते थे। उन्हें ऐसी आशा थी की यीशु के अधिकार से यह रोमी अधिकारी भाग जाएंगे। यीशु के विरोधक भी बढ रहे थे। वे हमेशा उसकी आलोचना कर रहे थे। यीशु के बारे में लोगों को भडकाना और वह चाहते थे की वे लोग यीशु से अलग हो जाए।

यीशु का विरोध बढता गया। उसने अब गलील प्रांत को छोडकर इस्राएल के दुसरे क्षेत्र में उसका काम पुरूष और स्त्री अगुओं के साथ शुरू रखा।

गलील

यरूशलेम

इस्राएल

फिर वह यरूशलेम में रहा।

यात्रा करते हुए।

लोग मेरे बारे में क्या सोचते है, मैं कौन हुँ?

वह सोचते है की तू भविष्यवक्ता है।

और तुम?

तुम क्या सोचते हो की मैं कौन हुँ?

तू उद्धारकर्ता है। जिंदा परमेश्वर का पुत्र।

किसी को भी मत बताओ, की मसीह का यरूशलेम में छल होंगे और उसे मृत्यूदंड मिलेंगे। लेकिन तिसरे दिन वह कब्र में से फिर से जी उठेगा।

यरूशलेम के बाहर हमेशा लोगों को रोमन तरीको से सजा मिलती थी।

यदि कोई मेरे पिछे आना चाहता है तो वह अपना क्रूस उठाकर मेरे पिछे हो ले।

जो कोई अपना प्राण बचाना चाहता है वह उसे खो देगा और जो कोई मेरे लिए अपना प्राण देगा वह उसे बचाएगा।

तुम यह जान लो की केवल एक ही परमेश्वर है।

जरूरी यह है की तुम परमेश्वर से संपूर्ण मन से प्रेम करो और जैसे अपने आप को प्रेम करते हो दुसरो पर भी वैसा ही प्रेम करो।

उस समय इस्राएल में कोढ का रोग लगे हुए लोग रहते थे। वह त्वचा का भयानक रोग था। ऐसे लोग गाव के बाहर रहते थे और उन्हें अच्छे लोगों से मिलने नहीं दिया जाता था।
कोढ लगे हुए लोग जब कही बाहर जाते तो वह जोर से दुसरे लोगों को सावधान कर देते थे की वे आ रहे है।
कोढी!
कोढी!
यीशु प्रभु, हम पर दया करो।

जाओ अब तुम खुद धर्मगुरू को दिखाओ।
दिखाने के लिए धर्मगुरू के पास जाना?
क्या हम तब चंगे हो जाएंगे?
? !
देखो! मैं चंगा हो गया हुँ।
हम चंगे हो गये।
हाँ।
हालेलुया! परमेश्वर भला है। धन्यवाद।
जो चंगे हुए क्या वे १० नहीं थे? वे दुसरे कहाँ गये? क्या वह परमेश्वर को धन्यवाद देने नहीं आये?
खीा हो! तेरे विश्वास ने तुझे चंगा किया है और तेरा उद्धार हो चुका है।

यहुदी प्रधान यरूशलेम में यीशु के पिछे गुप्तचरों को भेजा करते थे। यीशु के कार्यों के बारे में वह उसके विरोधि थे।

वह बूरे लोगों के संपर्क में रहता था। जैसे की वैश्या, कर लेने वाले रोमी अधिकारी....

मसीह खोये हुओं को ढुंढने और उन्हें बचाने आया है।

क्योंकि यीशु सब्त के दिन लोगों को चंगा करता है।

चंगा हो।

और उसका बालकों पर खास ध्यान रहता था।

बालकों को मेरे पास आने दो। परमेश्वर का राज्य उनके जैसा का ही है।

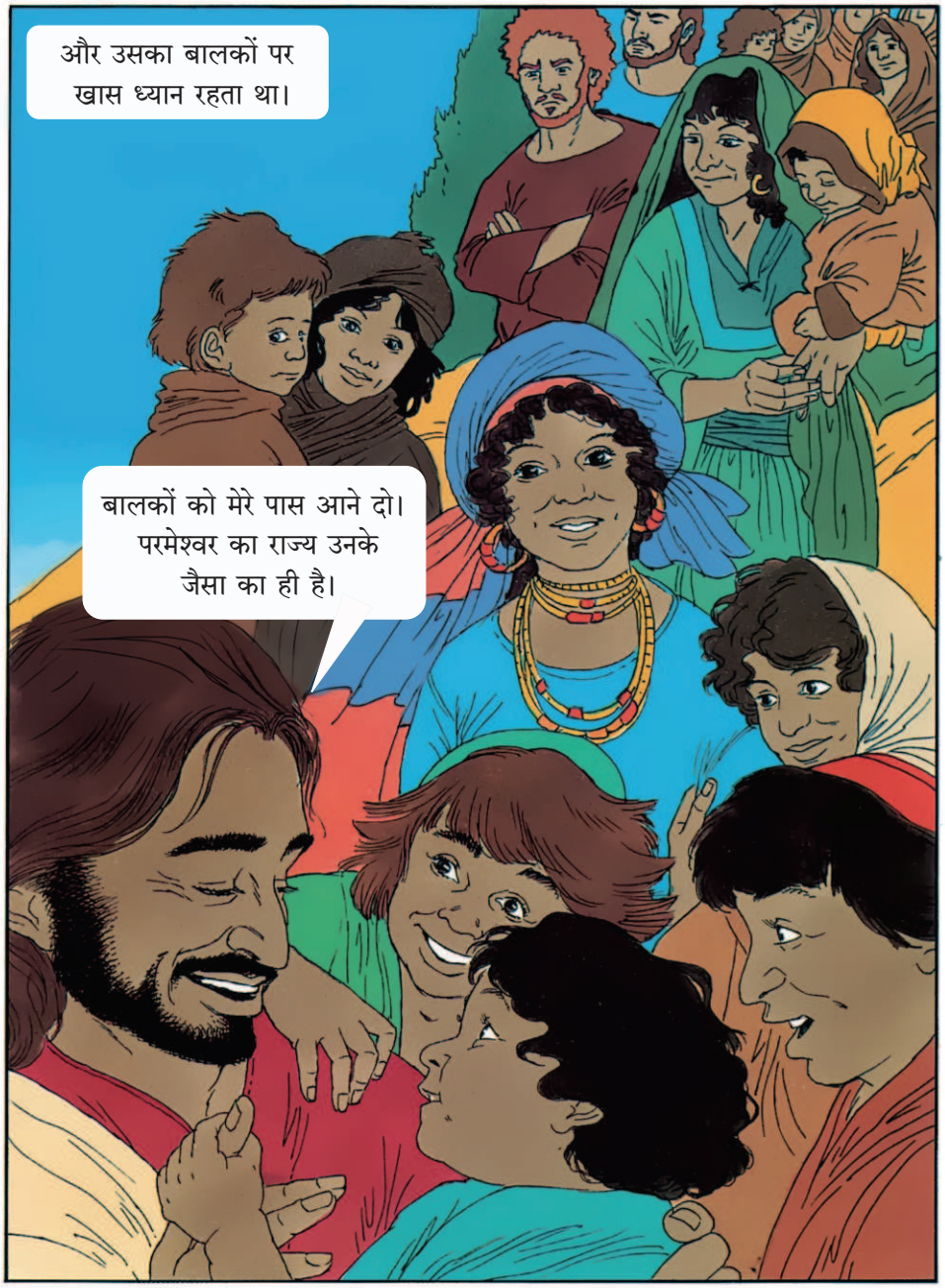

यीशु को बैतनिय्याह में बुलाया गया। एक गाव जो यरूशलेम के पास है। लाजर नामक एक मनुष्य बिमार था। लाजर और उसकी बहीन मार्था और मरियम यह यीशु के दोस्त थे। जब यीशु वहाँ आता है तब वह सुनता है की लाजर को कब्र में रखे हुए चार दिन हा ` चुके है।

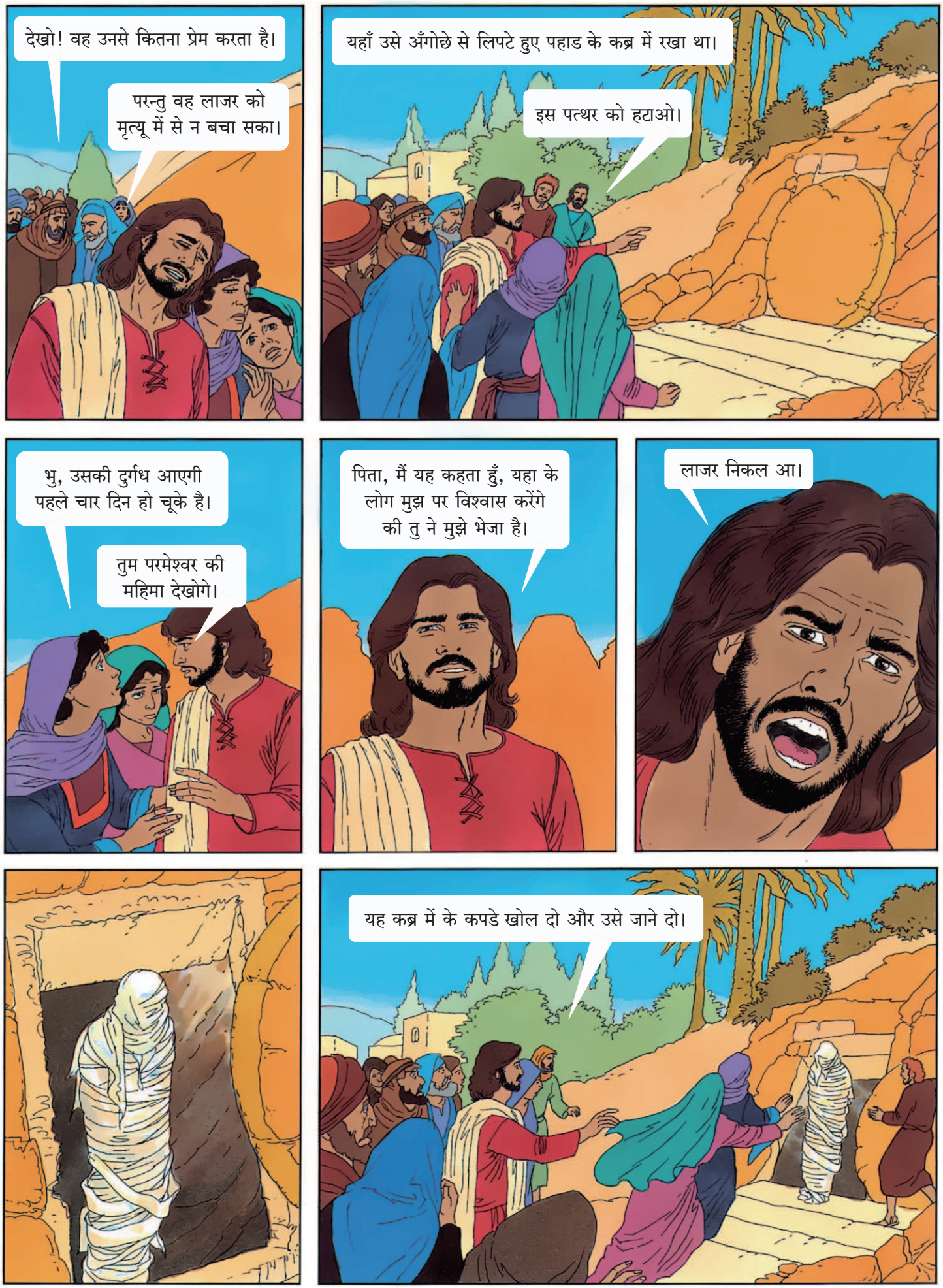
देखो! वह उनसे कितना प्रेम करता है।
परन्तु वह लाजर को मृत्यू में से न बचा सका।
यहाँ उसे अँगोछे से लिपटे हुए पहाड के कब्र में रखा था।
इस पत्थर को हटाओ।
भु, उसकी दुर्गध आएगी पहले चार दिन हो चूके है।
तुम परमेश्वर की महिमा देखोगे।
पिता, मैं यह कहता हुँ, यहा के लोग मुझ पर विश्वास करेंगे की तु ने मुझे भेजा है।
लाजर निकल आ।
यह कब्र में के कपडे खोल दो और उसे जाने दो।

यरूशलेम के अधिकारी अब यीशु और उसके शिष्यों पर नजर रखे हुए थे।
वह मनुष्य बहुत चिन्ह दिखाता है।
यदि हमने ऐसे ही छोड दिया तो रोमी आकर कुछ करेंगे।
वह हमारे राज्य और मंदिरों का नाश करेंगे।
तुम जरा सोचो की, संपूर्ण राज्य का नाश होने से अच्छा है की एक मनुष्य मरे।
इसलिए यीशु का मरना अब जरूरी है।
तब से यहुदी प्रधान यीशु को पकडने की ताक में लगे हुए उसे रोमियों को सोप देने की कोशिष कर रहे थे। वे मृत्यूदंड की सजा देनेवाले अधिकारी कहलाते थे।

यीशु बैतनिय्याह में था।
मरियम
वह बहुत महंगा इत्र है।
अच्छा होता की इसे बेचकर पैसे कंगालों में बाट दिये होते।
उसे अकेला छोड दो। यहूदा वह मेरे शरीर को गाऊे जाने के लिए तैयार कर रही है।

फसह का पर्व पास आ रहा था। लोगों का झुण्ड यरूशलेम की ओर यात्रा कर रहा था।

यरूशलेम में अधिकारी लोग यीशु को पकडने की योजना बना रहे थे। यीशु उसी नगर की ओर बढ रहा था।

लोग यीशु का जयघोष और स्वागत कर रहे थे।
वाह-वाह!
वाह-वाह!
धन्य है जो प्रभु के नाम से आता है।
वह इस्राएल का राजा है।
संपूर्ण राज्य उस के पिछे जा रहा है।
इसके जैसा हमें कोई भी न मिलेंगे।

राजधानी के मध्य में आराधना का मन्दिर था।

फसह का पर्व के समय भेडों की कत्तल की जाती थी।

भेडों को मन्दिर में भेट चढाके परमेश्वर और मनुष्य में मेल-मिलाप करवाते थे।

लेकिन किस प्रकार के भेड की भेट चढाकर लोगों को पापों से मुक्ति मिल सकती है?

मन्दिर की जगह पर लोग उनका व्यापार और पैसों की लेन-देन करते थे।

यीशु भी वहीं था।

परमेश्वर का घर यह प्रार्थना का घर है, लेकिन तुम ने उसे डाकुओं की खोह बना दिया है।

वह हमारे लिए खतरनाक साबित हो सकता है। सब लोग उसी की बात सुनते है।

इस से छुटकारा मिलना चाहिये।

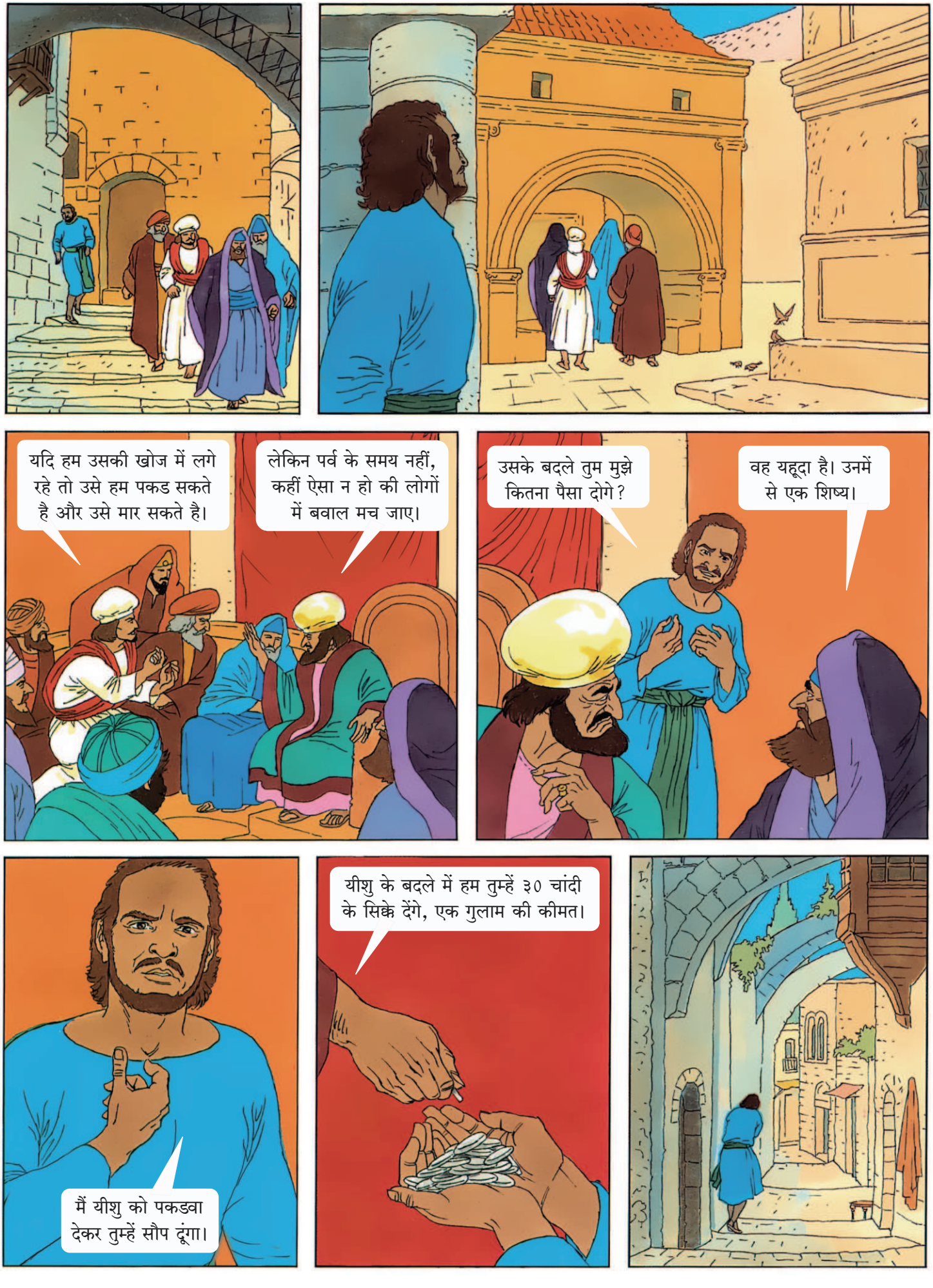
यदि हम उसकी खोज में लगे रहे तो उसे हम पकड सकते है और उसे मार सकते है।
लेकिन पर्व के समय नहीं, कहीं ऐसा न हो की लोगों में बवाल मच जाए।
उसके बदले तुम मुझे कितना पैसा दोगे?
वह यहूदा है। उनमें से एक शिष्य।
मैं यीशु को पकडवा देकर तुम्हें सौप दूंगा।
यीशु के बदले में हम तुम्हें ३० चांदी के सिक्के देंगे, एक गुलाम की कीमत।

फसह के पर्व से पहले यीशु मन्दिर में संदेश दे रहा था। प्रधान याजक उसके लिए समस्या खडी कर रहे थे।

उस संध्या के समय यीशु और उसके १२ शिष्यों फसह के अन्तिम भोज के लिए एकठ्ठा हुए।

मेरे दु:ख भोगने से पहले इस फसह के भोज को मैं तुम्हारे साथ करू इसी की मैं बाँट जो रहा था।

अधिकारी लोग दुसरों से सेवा करवा लेते थे। लेकिन मैं तुम्हारे साथ वैसा न करूंगा।

यह अधिकारी तुम्हारा सेवक बनेगा।

मैं तुम्हें सेवक जैसा हुँ।

प्रभु, क्या तुम दास बनकर मेरे पाव धोएंगे? नहीं! कभी नहीं!
पतरस, यदि मैं तुम्हारे पाव न धोऊ तो मेरे साथ तुम्हारा कुछ भी सांझा नहीं।
प्रभु, तो फिर मेरा शिर और हाथ भी धो दिजिए।
यदि कोई नहा चुका है तो उसे केवल पाव ही धोना जरूरी है।
तुम मुझे प्रभु एवं स्वामी बुलाते हो, जो की अच्छा है। जैसे मैंने तुम्हारे पाव धोए इसलिए अवश्य है की तुम भी इसी प्रकार एक दुसरे की सेवा करो।
तुम में से कोई एक मेरा विश्वासघात करेगा।
कभी नहीं।
क्या वह मैं तो नहीं हुँ?
यहूदा जो तू करना चाहता है उसे तुरन्त कर।

मेरे स्मरण के लिए यही किया करो।

यह रोटी लो जो मेरी देह है।

यह प्याला लो, जो मेरा लोहू है
जो तुम्हारे लिए बहाया जाता है।
इसी रीति से परमेश्वर तुम से
नई वाचा बांध रहा है।

एक नयी आज्ञा मैं तुम्हें देता हुँ।
तुम एक दूसरे पर वैसा ही प्रेम
करो जैसा मैंने तुम से किया।फ

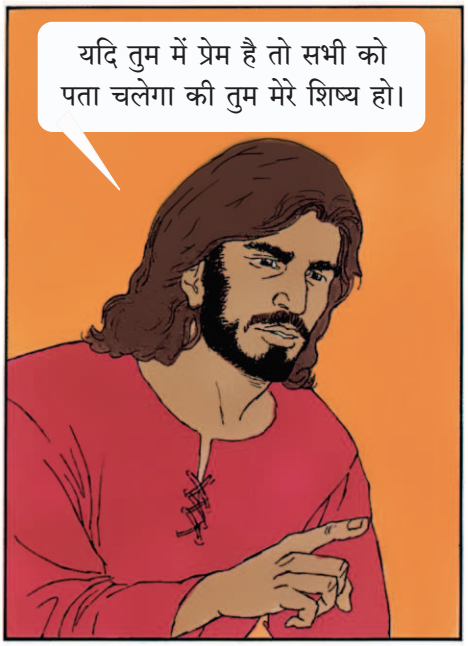
यदि तुम में प्रेम है तो सभी को
पता चलेगा की तुम मेरे शिष्य हो।

प्रभु, मैं तुम्हारे साथ सर्वदा रहूंगा,
तुम्हारे लिए मैं मेरा प्राण भी त्याग दूंगा।
पतरस उस वक्त मुर्गा बाँग देगा
और तू तीन बार मेरा इन्कार करेगा।

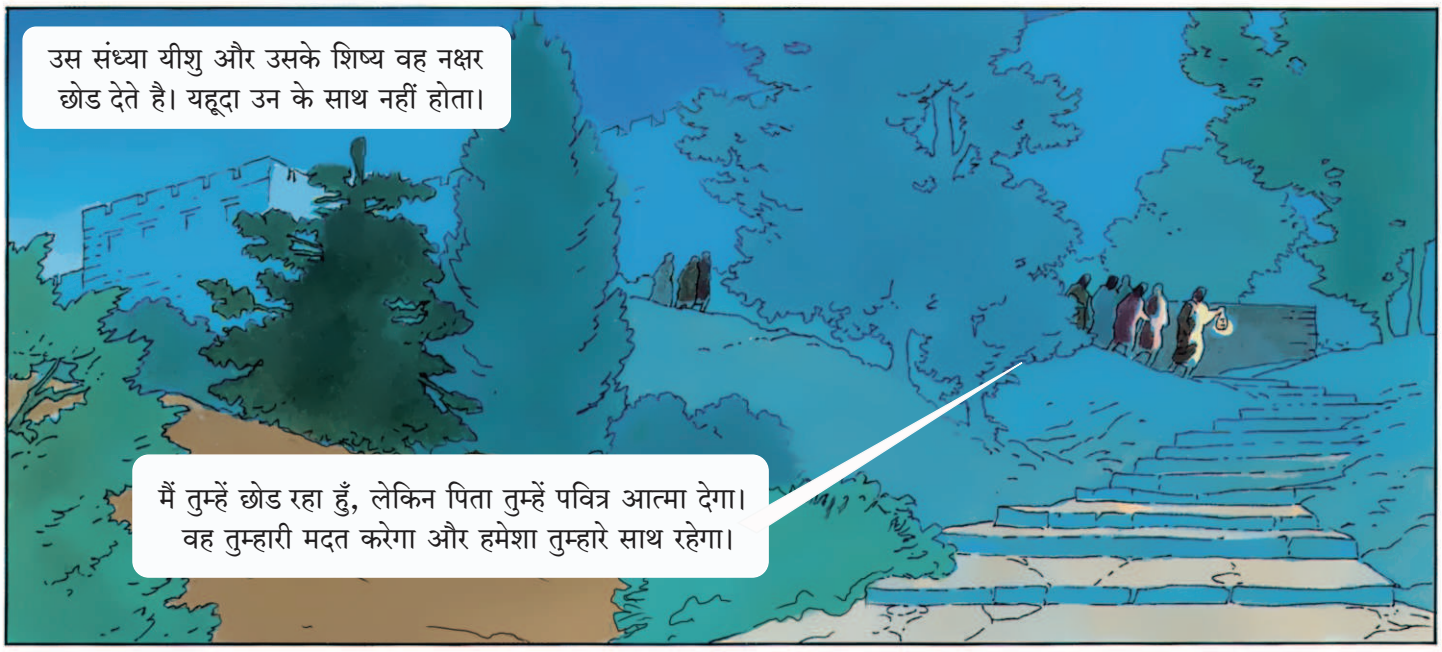
उस संध्या यीशु और उसके शिष्य वह नक्षर छोड देते है। यहूदा उन के साथ नहीं होता।
मैं तुम्हें छोड रहा हुँ, लेकिन पिता तुम्हें पवित्र आत्मा देगा। वह तुम्हारी मदत करेगा और हमेशा तुम्हारे साथ रहेगा।

जहाँ मैं जाता हुँ वह जगह तुम्हें पता है।

मार्ग, सत्य एवं जीवन मैं ही हुँ। मुझे छोड कोई भी पिता के पास नहीं जा सकता।

तुम वही रूको। मैं प्रार्थना के लिए आगे जा रहा हुँ।

पिता, यदि संभव हो तो इस दु:ख को मुझ से दूर ले जा।

तथापि मेरी इच्छा नहीं परन्तु आपकी इच्छा पूरी हो।

इस वक्त तुम कैसे सो सकते हो? जागते रहो। जो एक मेरा विश्वासघात करेगा वह यहीं है।

जिसे मैं चूम लू उसे पकड लो।

स्वामी!
यहूदा, क्या तु चुमकर मेरा विश्वासघात करेगा?

स्वामी, हम इनसे लडते है।

नहीं!

यीशु ने उन्हें खुद को पकडवाने दिया, उसके सभी शिष्य वहां से भाग गये।

यीशु को महायाजक के घर ले गये। यहूदियों का सबसे बडा प्रधान, पतरस और यूहन्ना थोडी ही दूर पिछे आ रहे थे।

पतरस आंगन में जाता है।

क्या तु उनके साथ नहीं था?
नहीं, नहीं, मैं उसे नहीं जानता हूँ।

क्या तु उन में से एक नहीं है?
बिलकूल नहीं।

निश्चय है यह भी उनके साथ था, यह एक गलीली है।
मैं नहीं जानता तु क्या कहता है।

कुकु अकड्डु कुकु
फटाक
चल अब भविष्यवाणी कर किसने तुझे मारा?
सुबह यीशु को यहूदियों कि महासभा में ले जाया गया।
क्या तुम परमेश्वर के पुत्र हो?
जैसा तुम कहते हो वैसा ही है।
यह मृत्यू के लायक है। रोमियों को यह करने दो।

यीशु को रोमी पिलातुस के सामने लाया गया। इन सब पर यहूदी याजक नजर लगाये हुए थे। वह सब प्रकार से उसे दोष लगाने लगे।

जो तुझपर दोष लगाए गये है तुम उनके विषय में क्या कहना चाहते हो? कुछ भी नहीं?

मैं इस मनुष्य में कोई दोष नहीं पाता। अब फसह का पर्व आ रहा है। मैं किसे छोड दू, बरअब्बा को या इस यहूदियों के राजा को?

तुम ने क्या किया है?

मैं सत्य की गवाही देने आया हूँ।

सत्य क्या है?

बरअब्बा
बरअब्बा
लेकिन इस यीशु का मैं क्या करूं ऐसे तुम्हें लगता है?
उसे क्रूस पर चढांए।
उसे लगता है की वह राजा है।
यदि तुम उसे छोड दोगे तो आप कैसर के मित्र नहीं।
इस के बदले में तुम्हें छोड दिया जाता है।
बरअब्बा को छोड दिया गया। वह राज्य में खुन के बारे में दोषी पाया गया था।
...... ३७ ३८ ३९
उसके लहू के बारे में मैं निर्दोष हूँ।
हे यहूदियों के राजा!

उस मनुष्य को देखो।

उसे क्रूस पर चढाओ।

उसे क्रूस पर चढाओ।

उसे क्रूस पर चढाओ।

पिलातुस ने उसे मान लिया क्रूस पर चढाना एक डरावने मृत्यू जैसे था। यीशु उस क्रूस के खंबे को बडे कष्टों से रास्ते परले जा रहा था।

मृत्यूदंड देने का कार्य नगर के बाहर किया जाता था। उसे गुलगुता या ''खोपडी'' का स्थान कहते है।

यीशु को सैनिकों ने क्रूस पर चढा दिया।

उसी समय यहूदा को उसकी गलतिओं का एहसास हो गया।
मैंने कलत किया।
मैंने इस निर्दोष लहू का विश्वासघात किया।
हमारे साथ तुम्हें क्या काम है? यह तेरी समस्या है।
यीशु को दो अपराधियों के बीच में क्रूस पर लटका था।
पिता इन्हें माफ कर, यह नहीं जानते कि ये क्या कर रहे है।

क्रूस के उरप एक दोष पत्र लिखा था। उसका अर्थ है ''यीशु यहूदियों का राजा है।''

IESVS NAZARENVS REX IVDAEORVM
ΙΗΣΟΥΣ Ο ΝΑΖΩΡΑΙΟΣ ΟΒΑΣΙΛΕΥΣ ΤΩΝ ΙΟΥΔΑΙΩΝ

यीशु ने कडवा दाखरस पिना नकार दिया।

सैनिक उसके कपडों से खेल रहे थे।

हाँ, क्या उसने दुसरों को नहीं बचाया?

यदि तू परमेश्वर का पुत्र है तो इस क्रूस पर से खुदको छुडा ले।

खुद को बचा और हमें भी बचा।

परमेश्वर का आदर कर। हमें हमारे अपराधों की सजा मिली है। परन्तु इस मनुष्य ने तो कुछ भी नहीं किया।

जब तू अपने स्वर्गीय राज्य में आए, तो मेरी सुधि लेना।

मैं तुझे निश्चय कहता हूँ, आज ही से तु मेरे साथ अधोलोक में होगा।

लगभग दो पहर से तिसरे पहर तक सारे देश में अन्धियारा छाया रहा।

मरियम यीशु कि माता और यूहन्ना, उसके शिष्य क्रूस के पास खडे थे।

अब रही तुम्हारी माता और यह तुम्हारा लडका।

मेरे परमेश्वर, मेरे परमेश्वर तुने मुझे क्यों छोड दिया?

मैं प्यासा हूँ।

पिता, मैं अपनी आत्मा तेरे हाथ में सौंपता हूँ।

पूरा हुआ।

यीशु की मृत्यू दोपहर तीन बजे होती है। एक सैनिक ने यीशु को भाले से बेधा, तब तुरन्त लहू और पानी निकला।
किताब में ऐसा लिखा है की भेड की नाई दसे कत्तलखाने में ले जाया जाएगा।
हमारे सभी पापों के लिए उसे मारा जाएगा। बेधा जाएगा। अब वह मर चुका है।
क्या यही वह मसीह था जो आनेवाला था? क्या नहीं?
क्या हम इस शव को गाड सकते है, चलो उनसे पूछ ले।
यूसुफ यह अरिमतिया और नीकुदेमुस यीशु का मृत शव ले जाते है। वह उसे सफेद कफन में लपट कर उसपर मिश्रण लगाकर कब्र में रख प्रवेश द्वार पर बडा सा पत्थर लुढकाकर रख देते है।

इन सब बातों के होन के बाद फसह के पर्व के समय, कुछ स्त्रीया उस बंद कब्र के पास आयी।
वह पत्थर तो लुढका हुआ है।
तुम उस जीवित को मृतकों में क्यों ढुंढ रहे हो? वह जीवित हो गया है। जाओ और उस के शिष्यों को बताओ।
जब वह यह बात सुनते है, पतरस और यूहन्ना कब्र की ओर चलकर जाते है।
क्या हुआ?
वह पूरी तरह खाली है।

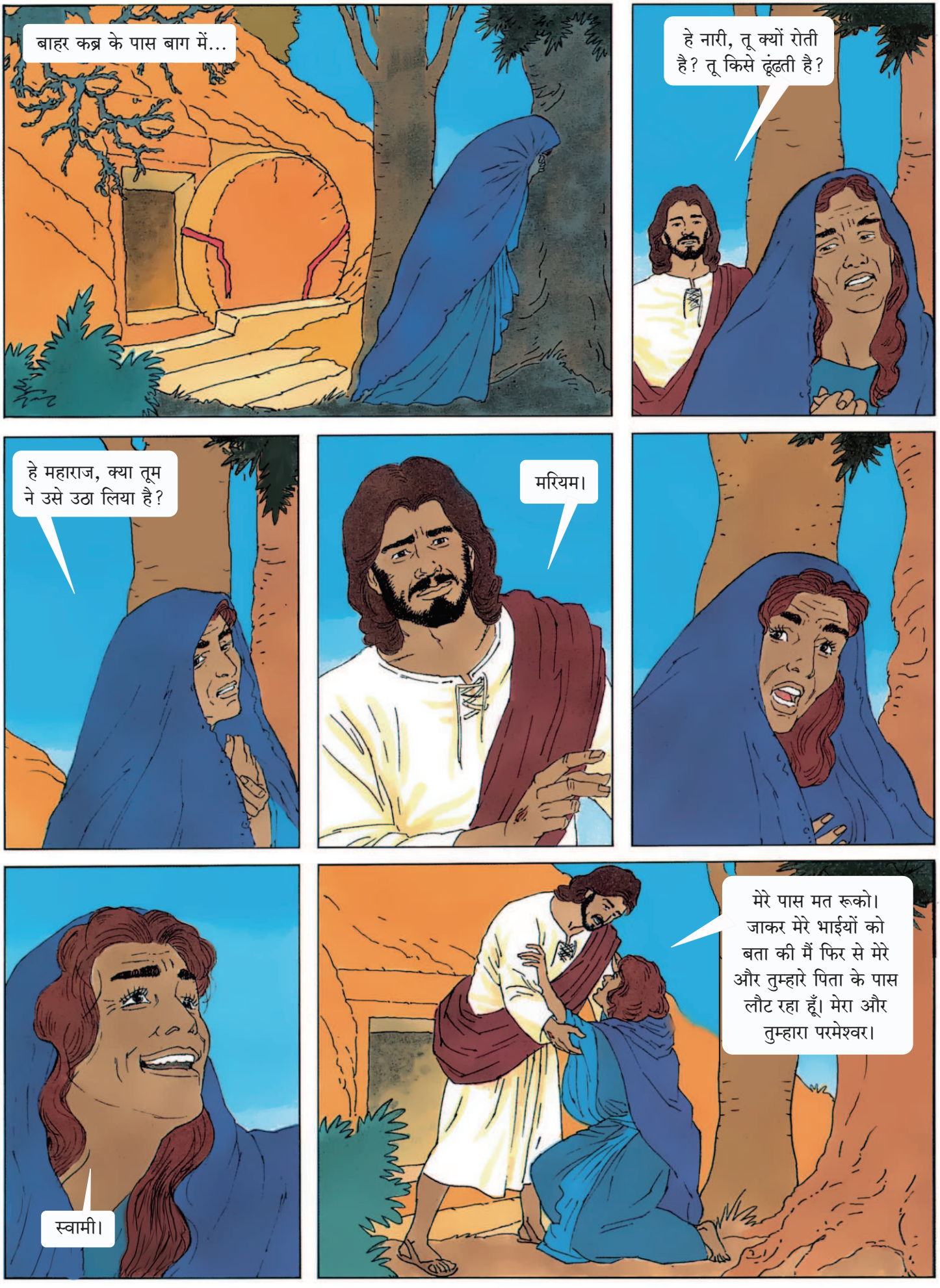
बाहर कब्र के पास बाग में...
हे नारी, तू क्यों रोती है? तू किसे ढूंढती है?
हे महाराज, क्या तूम ने उसे उठा लिया है?
मरियम।
स्वामी।
मेरे पास मत रूको। जाकर मेरे भाईयों को बता की मैं फिर से मेरे और तुम्हारे पिता के पास लौट रहा हूँ। मेरा और तुम्हारा परमेश्वर।

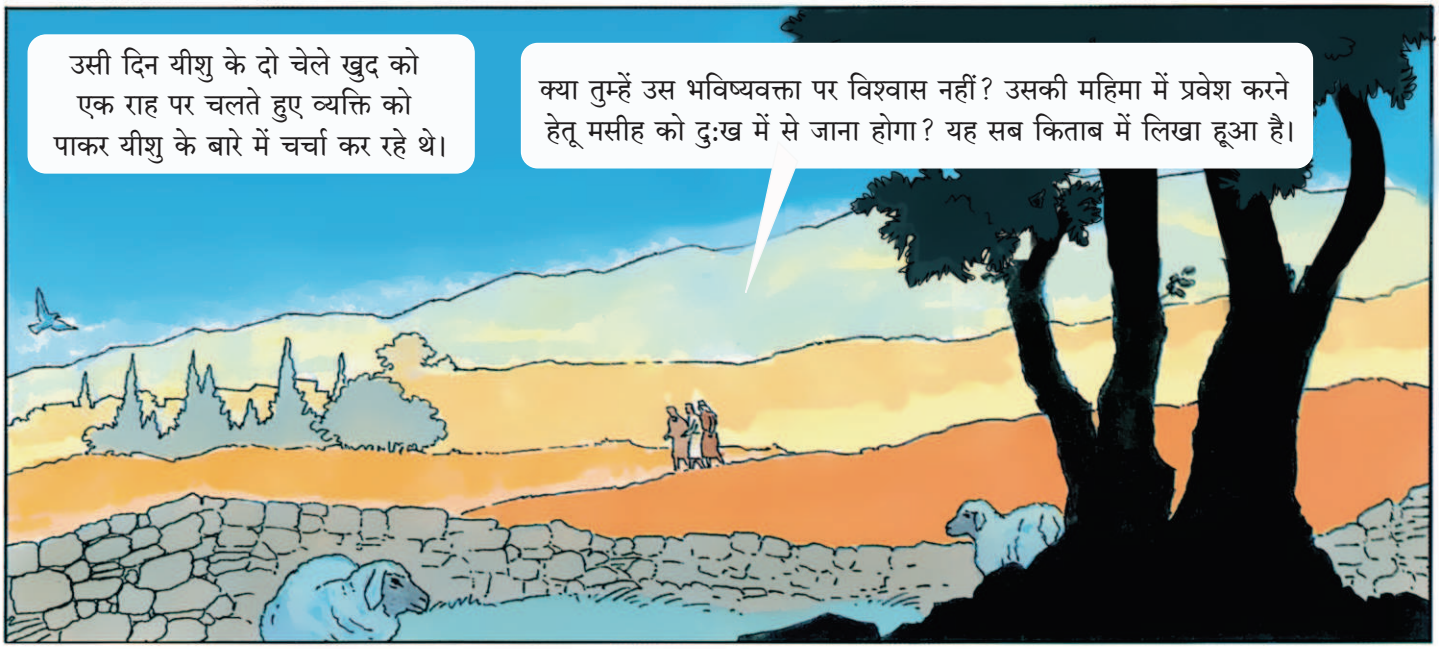
उसी दिन यीशु के दो चेले खुद को एक राह पर चलते हुए व्यक्ति को पाकर यीशु के बारे में चर्चा कर रहे थे।
क्या तुम्हें उस भविष्यवक्ता पर विश्वास नहीं? उसकी महिमा में प्रवेश करने हेतू मसीह को दु:ख में से जाना होगा? यह सब किताब में लिखा हूआ है।

परन्तु वह यीशु ही था।
अचानक भोजन के पश्चात कौन आ गया।

बाकी शिष्य यीशु को ढुंढने चले जाते है।
मरियम और पतरस ने भी देखा।
हमने प्रभु को देखा है।

अचानक
तुम्हें शांति मिले।

क्या तुम्हें विश्वास नहीं की मैं हूँ? मेरे हाथ और पावों को देखो।

मेरे प्रभु! मेरे परमेश्वर।

यीशु उसके अनुयायी को अगले ४० दिन दिखा। वह एक बार तो ५०० लोगों को एक साथ दिखा। एक दिन यीशु के कुछ शिष्य गलील तालाब में मछलीया पकड रहे थे।

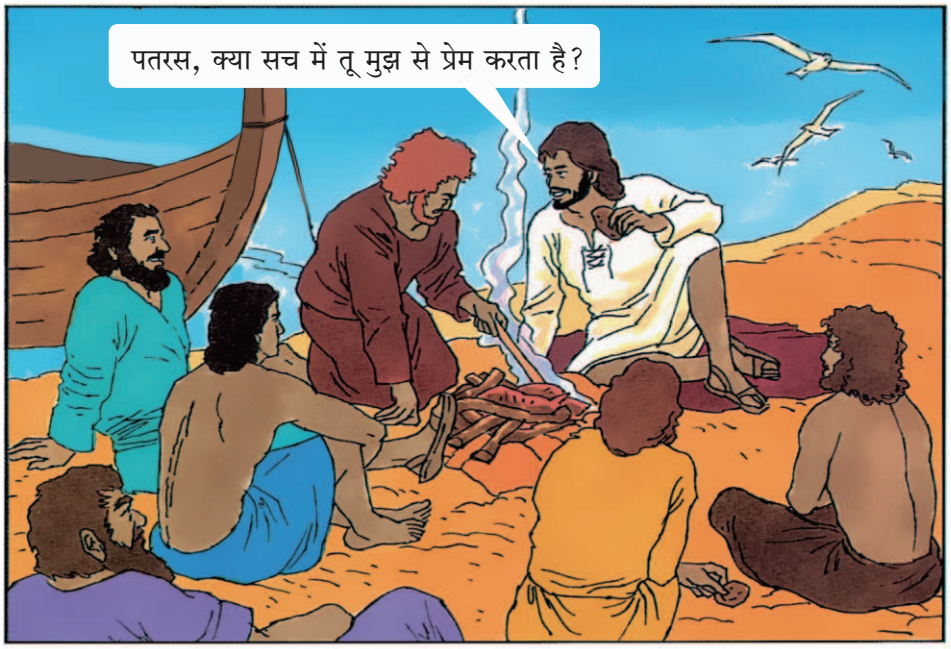

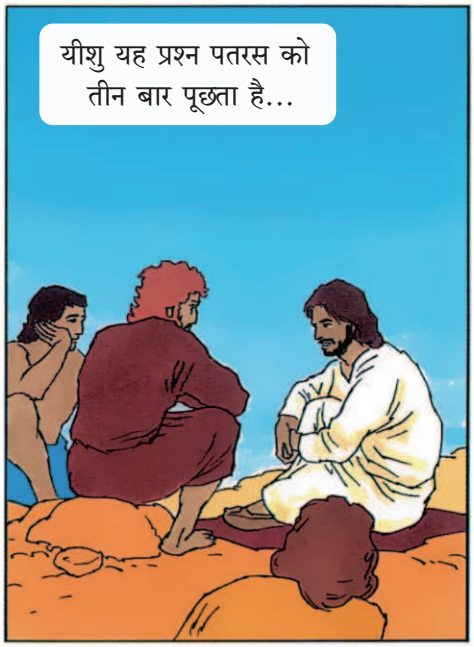

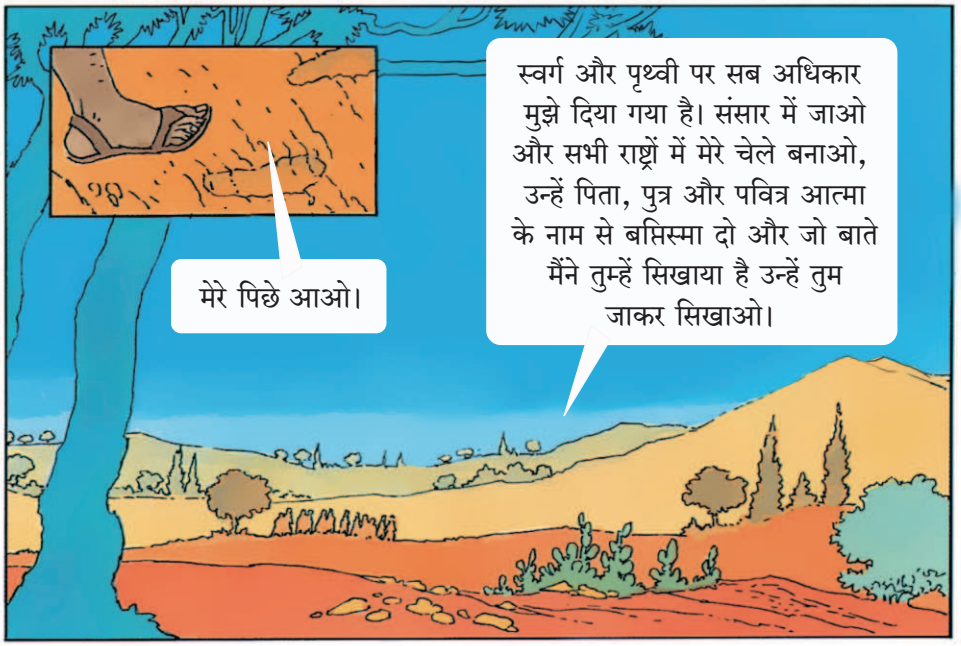

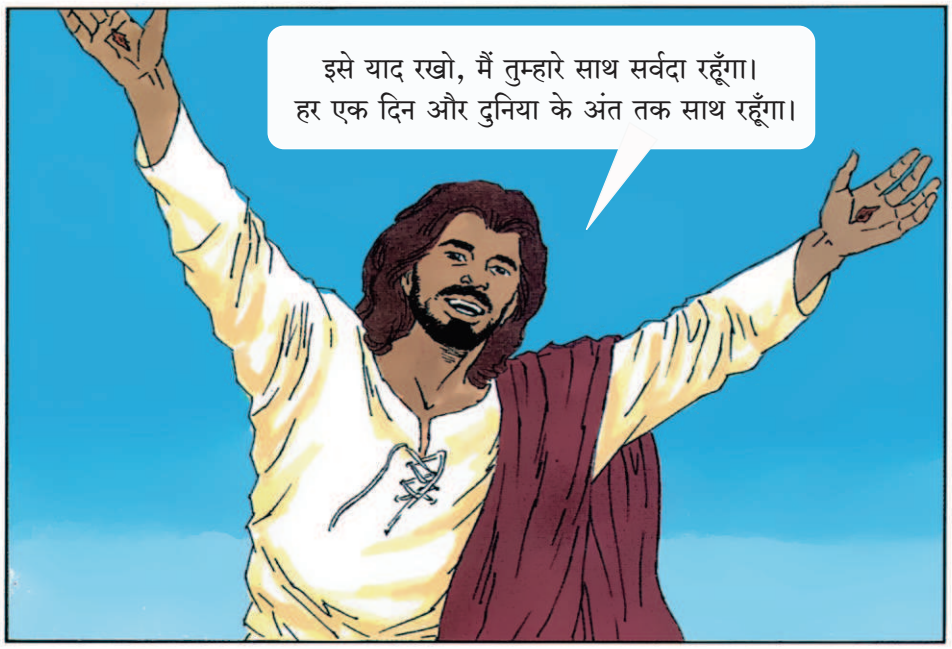

यह बाते कहने के बाद यीशु पृथ्वी छोड देता है। और स्वर्ग में उठा लिया जाता है। लेकिन उसने ऐसा भी कहा है की वह लोगों का न्याय करने फिर से आयेगा।

के लियीशु के शिष्य यरूशलेम में प्रार्थना करते है। पवित्र आत्मा उन्हें परमेश्वर की आत्मा से भरता है। वही आत्मा जो यीशु के साथ था अब वह उनके साथ है। नयें लोगों को यीशु ए तैयार करने में वह सहायता करता है।

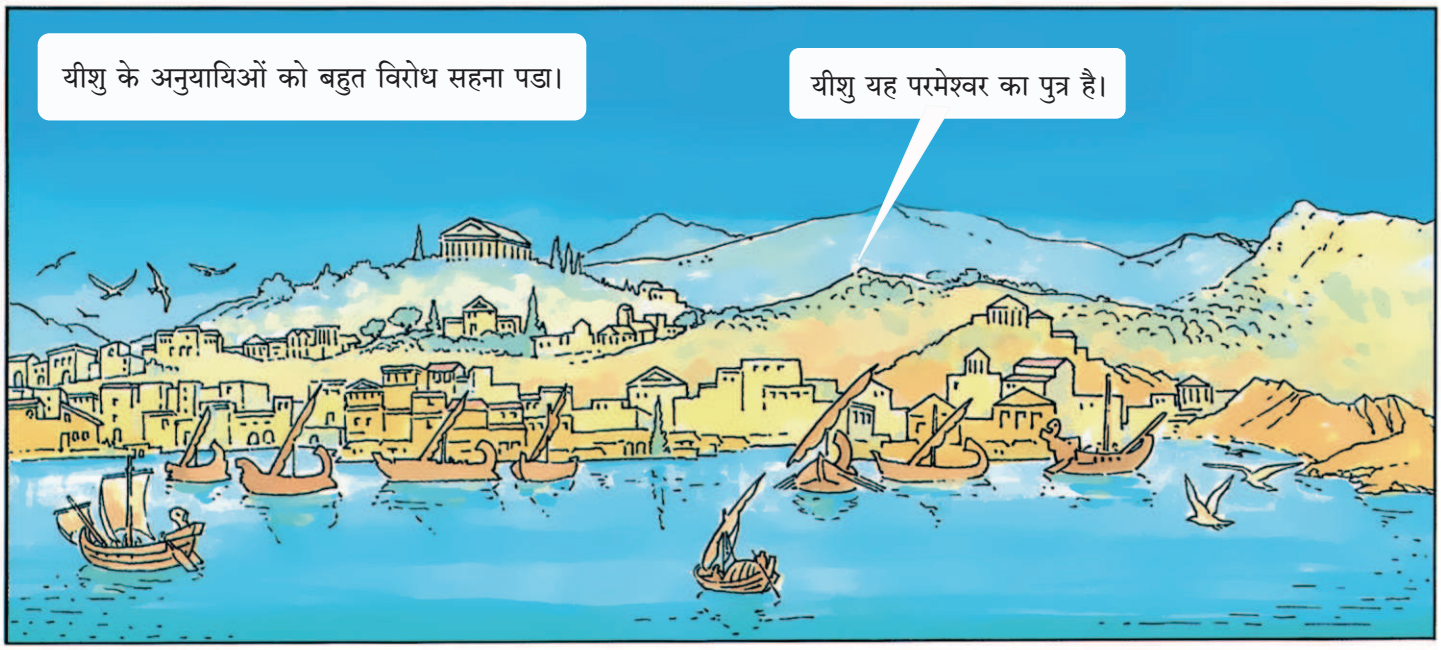

अब यीशु के अनुयायी संपूर्ण जगत में एक होकर प्रार्थना करते है और बाइबल पढते है। वे यीशु के मृत्यू का रोटी तोडकर और दाखरस लेकर स्मरण करते है। परमेश्वर की ईच्छा है की परमेश्वर के प्रेम को इस तरह एक दूसरों में बाटे, जो उनके हृदय में है।

यीशु ने परमेश्वर का उद्देश पूरी तरह से मनुष्य के लिए पुरा किया।
यीशु हम से प्रेम करता है। उसे धन्यवाद करो और उसी ही की आराधना करो।
क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम किया की उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उसपर विश्वास करे वह नष्ट न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।
WILLEM DE VINK

बाइबल

यीशु की कहानी बाइबल में लिखित है। बाइबल से अधिक कोई भी किताब इतनी ज्यादा बार नहीं पढी गई। यह सभी किताबों का एक ग्रंथ है। १५०० साल यह किताब लिखने के लिए लग गये। १९०० वर्ष पूर्व बाइबल पूरी हुई। इस में सभी तरह की बाते है की परमेश्वर मनुष्य के जीवन में किस रीति से कार्य करता है। परमेश्वर कौन है यह यीशु के बातों से हमें पर्णता समझ आता है।

यीशु का ततिहास

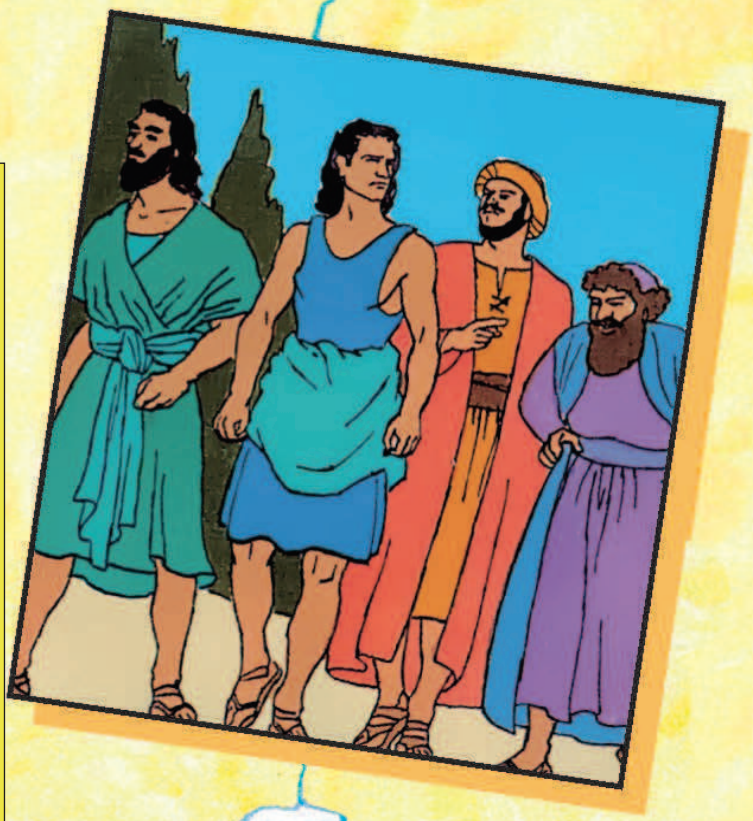

बाइबल के ४ किताबों में यीशु के जीवन के बारे में बताया गया है। यीशु के काल में यह लेखक थे। लेखक के नाम उन्होंने दिये है।

१. मत्ती : यीशु का शिष्य। जो कर वसुलने का काम किया करता था। उसने वर्णन किया है की किस प्रकार से यीशु ने इस्राएली लोगों से बरताव किया। (यहूदी)

२. मरकूस : यीशु ने किये चमत्कारों के बारे में उस ने लिखा है। जब यीशु ने कार्य किये तब मरकूस किशोरवस्था में था।

३. लूका : यह एक वैद्य था। वह व्यक्तिगत रीति से यीशु को न जानता था। उस ने वर्णन किया है की किस प्रकार से यीशु लोगों के साथ चला।

४. यूहन्ना : यीशु का एक अनुयायी, यीशु कौन है यह उसने बताया, यीशु परमेश्वर है। जो मनुष्य बना इसलिए की लोगों को पापों से छुटकारा मिल सके।

यीशु का जन्म

यीशु की माता मरियम का विवाह हुआ न था। जब यीशु का जन्म हुआ वह एक कुवारी थी। लेकिन यीशु के जन्म की योजना परमेश्वर ने बनायी थी। यह बाते पहले ही किताबों में लिखी गयी थी। यीशु किसी महान व्यक्ति जैसे या किसी अलग स्वरुप में जन्मा नहीं था। लेकिन उसका जन्म तबेले में हुआ।

यीशु के चमत्कार

यीशु ने बहुत से चमत्कारों को किया। बाइबल में ४0 से अधिक चमत्कार घटीत है। इन चमत्कारों के द्वारा यीशु परमेश्वर के शक्ति का और प्रेम का अनुभव लोगों को देता है। उसे लोगों की मदत करनी है और उन्हें खुश रखना है।

यीशु का मृत्यू एवं पुनरुत्थान

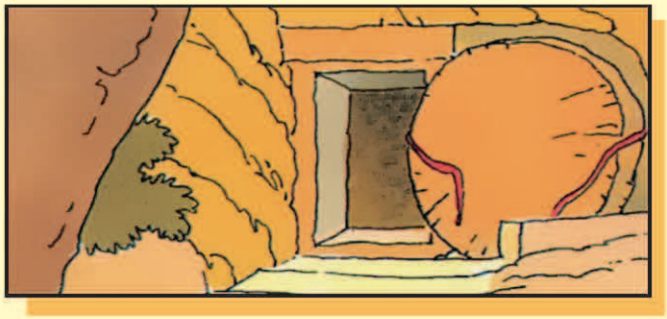

यीशु क्यों मारा गया?

इसका वर्णन बाइबल में दिया हुआ है। सभी लोग जो गलत बाते करते है वह परमेश्वर को क्रोधित और दु:खी करती है। उसे ही पाप कहते है। यह सभी पाप लोगों को परमेश्वर की संगती से दूर रखता है। और इसलिए यीशु आया। यीशु ने खुद होकर हमारे पापों की सजा खुद पर ले ली। वह सज मृत्यूदंड की थी। इसलिए यीशु मारा गया। अब हम फिर से परमेश्वर से दोस्ती कर सकते है, लेकिन हमें हमारे गलतियों की क्षमा मांगनी चाहिये। यीशु मृत्यू में से जी उाा। परमेश्वर ने उसे जीवित किया। इस तरह परमेश्वर ने दिखाया की मृत्यू से भी शक्तिशाली है।

यीशु अब परमेश्वर के साथ रहता है। इसलिए वह हमारा मित्र बन सकता है। परमेश्वर को खुशी होगी की जब इस तरह का जीवन जीने के लिए वह हमारी मदत करता है।

प्रार्थना

यदि आप गलत बातों की क्षमा मांगते है और परमेश्वर से दोस्ती बनाना चाहते है तो आप यह प्रार्थना कर सकते है:

प्यारे परमेश्वर, तू मुझ से प्रेम करता है। तू ने यीशु को दिया तेरा एकलौता पुत्र जो क्रूस पर मर गया। जो भी गलत बातें मैंने की उन सभी पापों की कृपया क्षमा मुझे कर। यीशु मेरे साथ है इसलिए तुझे धन्यवाद। क्या तू तेरी इच्छा से मुझे जीने के लिए मदत करेगा? तू जो वचन देता है वह तू पूरा करता है। मेरी प्रार्थना का उत्तर दिया इसलिए धन्यवाद।

यीशु और आप

यीशु के कहानी का एक अच्छा अन्त है। यीशु बहुत से महान लोगों का दोस्त बना। अब और तब भी दुनिया बदल गयी थी। बहुत से लोग अब गघों पर या घोडों पर यात्रा नहीं करते। वह कार या हवाईजहाज से यात्रा करते है। लेकिन यीशु पर इस का कुछ भी प्रभाव नहीं गिरता है। जैसा वह इस्राएल में था, वैसे ही वह अब भी हमारे साथ है। वह अदृश्य है फिर भी केवल वो ही सत्य है। वह आपका दोस्त बनना चाहता है। तुम उसे सुन सकते हो।

क्या आपको यीशु के साथ जीवन और उसके बारे में अधिक जानकारी चाहिए? तो आप निचे दिए हुई बाते किजिए:

१. आप खुद होकर बाइबल पढे (लूका ने लिखा हुआ भाग पढे)

२. प्रार्थना करना (परमेश्वर के साथ बोलना और उसका सुनना, आपको किसी विशेष शब्द को बोलने की जरुरत नहीं।)

३. बाइबल के बारे में औय यीशु के बारे में दूसरों से बातचीत करना। यीशु चाहता है की उसके अनुयायी एक दूसरे को मिलकर उन्हें प्रोत्साहित करे।

Publisher : KRISTALAYA MERCY MISSION
Printed : Kristalaya Printers
Text and illustrations : Willem de vink Copyright 1993 Stitching Wereldtaal, Houten, The Netherlands, Published in Dutch as " Jesus Messias".
Edition in Hindi 2020 : ISBN :-978-90-73150-53-9 Digital copyright under the terms of the Creative commons BY-SA licence.All right of translation, reproduction and adaptation reserved for all countries.Worldwide co-edition organized and produced by: Wycliffe Netherlands,
E-mail : jmpbnortheasts@gmail.com

यीशु मसीह

यह यीशु मसीह की एक सच्ची कहानी है। जो २००० वर्ष पूर्व इस्राएल में था। जो कोई उसे मिलता था वह सोच में पड जाता था। जो कुछ उसने किया उसे कोई नहीं कर पाया। जो बाते उसने बतायी वह किसी ने नहीं बतायी। जहां यीशु रहता था वहां चमत्कार होते थे। जो कोई उसकी सुनता वह आनन्द और खुशी से भर जाता था। तब अचानक अन्त हुआ ऐसा लगता है। उसके विरोधी उसे सजा देते है, लेकिन वहां अन्त न था। आगे जो हुआ उसे आप खुद पढे और देखे की कैसे यीशु की कहानी आगे बढते जाती है।

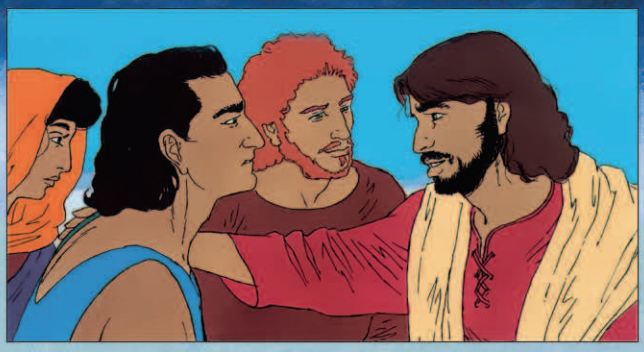

Language : Hindi
ISBN: 978-90-73150-53-9